हिंदी दैनिक

द फोटोन न्यूज

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● सोमवार, 10 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 84 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुविचार

दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है. केवल उतना ही याद रखती है जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंक कर आगे बढ़ जाती है।

हजारीप्रसाद द्विवेदी

शाहरुख ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	59,832.97
निफ्टी	:	17,599.15

सर्राफा

सोना	:	5,735
चांदी	:	80.02

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

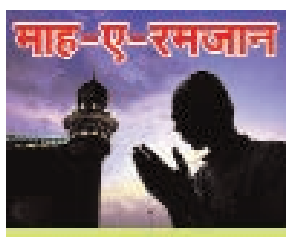

इफ्तार (सोमवार) : 06.09
सेहरी (मंगलवार) : 04.14

ब्रीफ न्यूज

मप्र को फिर मिल सकता है टाइगर स्टेट का दर्जा, गिने गए हैं 711 बाघ

भोपाल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में रविवार को मैसुरु में आयोजित एक समारोह में बाघों की गणना के नए आंकड़े जारी किए। इसके मुताबिक देश में बाघों की संख्या बढ़कर 3167 हो गई है। साल 2006 में यह संख्या 1411 थी। बाघ आकलन-2022 में हालांकि राज्यवार बाघ गणना रिपोर्ट को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है लेकिन मप्र को एक बार फिर से टाइगर स्टेट का तमगा हासिल हो सकता है। राज्य के वनाधिकारी बताते हैं कि पिछली गणना 526 के मुकाबले इस बार मप्र में 711 बाघ गिने गए हैं। वनाधिकारियों के मुताबिक, देश में बढ़े बाघों की संख्या में मध्य प्रदेश में बढ़े बाघों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। पिछली गणना में मध्य प्रदेश 526 बाघ के साथ देश में पहले पायदान पर था, जबकि 524 बाघों के साथ कर्नाटक को दूसरा स्थान हासिल हुआ था। इस बार प्रदेश में 711 बाघ होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, यह अंतिम आंकड़े नहीं हैं, फिर भी वनाधिकारी आश्वस्त हैं कि मप्र का टाइगर स्टेट का दर्जा बरकरार रहेगा। वनाधिकारी बताते हैं कि अभी वैज्ञानिक पद्धति से परीक्षण के बाद जारी होने वाले आंकड़ों में अंतर आ सकता है। प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों में भी 15 प्रतिशत तक बाघ बढ़ने के प्रमाण मिले हैं। मप्र में बाघों का यह आंकड़ा देश में सर्वाधिक होने की उम्मीद को इससे भी बल मिलता है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की निगरानी में नवंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक देशभर में बाघों की गिनती कराई गई थी।

ईस्टर के मौके पर दिल्ली के सेक्रेड हार्ट चर्च पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ईस्टर के अवसर पर दिल्ली के सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल पहुंचे और यहां ईसाई समुदाय के आध्यात्मिक नेताओं से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर इस मुलाकात और यात्रा से जुड़ी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने इससे पहले सुबह सभी को ईस्टर की शुभकामनाएं देते हुए कहा था कि यह अवसर हमारे समाज में सद्भाव की भावना को मजबूत करने का है। यह लोगों को समाज की सेवा करने और पिछड़ों को सशक्त बनाने में मदद करने के लिए प्रेरित करता है। हम इस दिन प्रभु ईसा मसीह के पवित्र विचारों को याद करते हैं। एक बयान में सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल कैथोलिक चर्च के फादर फ्रांसिस स्वामीनाथन ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी आज चर्च पहुंचेंगे। उन्हें लगता है कि यह पहली बार है कि कोई प्रधानमंत्री किसी चर्च में आ रहा है। उल्लेखनीय है कि सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल लेटिन रीति का कैथोलिक कैथेड्रल है। यह नई दिल्ली स्थित सबसे पुराने गिरजाघरों में से एक है।

फोटोः द फोटोन न्यूज

रांची। ईसाई धर्मावलंबियों ने रविवार को ईस्टर पर्व मनाया। प्रभु यीशु मसीह के जी उठने को स्मरण करते हुए खुशियां मनायी गई। सुबह के समय में ही विश्वासियों ने कब्रिस्तान पहुंच कर अपने-अपने पूर्वजों की कब्र पर फूल चढ़ाये और मोमबत्ती जलाकर प्रार्थना की। इस दौरान धर्मगुरुओं ने मनुष्यों के उद्धार के लिए प्रभु की योजना को विस्तार से समझाया। गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

60: 40 नीति के खिलाफ छात्र संगठनों का आज झारखंड बंद

वरीय संवाददाता, रांची।

60: 40 नीति के खिलाफ छात्र संगठनों ने सोमवार को झारखंड बंद बुलाया है। बंद को लेकर रविवार को रांची में मशाल जुलूस निकाला गया। मशाल जुलूस रांची विश्वविद्यालय से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला गया और जगरनाथ महतो को याद करते हुए झारखंड बंद की तैयारी व रणनीति को स्पष्ट किया गया। झारखंड यूथ एशोसिएशन के केंद्रीय संयोजक इमाम सफी ने बताया कि टाइगर जगरनाथ महतो का आकस्मिक निधन से पूरा राज्य सदमे में है। इनका सबसे बड़ा सपना 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करना था लेकिन आज तक पूरा नहीं हो सका। इसलिए हम तमाम झारखंडी स्वर्गीय जगरनाथ महतो के अधूरे सपने को पूरा करने का संकल्प लेते हैं। रवि पीटर ने बताया कि राज्य के छात्र लगातार 60:40 खिलाफ व खतियान आधारित स्थानीय-नियोजन नीति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं पर सरकार खामोश है। इसी बीच झारखंड यूथ एशोसिएशन, झारखंड उलगुलान मार्च, पंचपरगना फाइटर, आदिवासी छात्र संघ, आयमा व अन्य आदिवासी-मूलवासी ने आज झारखंड बंद बुलाई है। मशाल जुलूस में रवि पीटर, अमर गुलियार, ललित महतो, विश्राम उरांव, राजेश तिर्की, सतीश बड़ाईक, रंजीत तिर्की व अन्य छात्र थे।

इधर, 11 अप्रैल भाजपा का सचिवालय घेराव को लेकर जिला प्रशासन तैयारी में जुट गया है। रांची की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होगी। सीएम आवास, राजभवन से लेकर सचिवालय तक पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे।

सुखोई-30 को अपग्रेड करने में यूक्रेन युद्ध का दिखा असर

- रूस से कलपुर्जों और प्रणालियों की आपूर्ति होने में हो रही है देरी
- वायु सेना के 150 विमानों को 'सुपर सुखोई' में किया जाना है अपग्रेड

एजेंसी, नई दिल्ली।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने 07 अप्रैल को मरम्मत और ओवरहालिंग करने के बाद 100वां सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान भले ही वायु सेना को सौंप दिया है, लेकिन इस बेड़े को अपग्रेड करने में रूस-यूक्रेन युद्ध का असर साफ दिख रहा है। सुखोई के अपग्रेडेशन प्रोग्राम के तहत रूस से कलपुर्जों और प्रणालियों की आपूर्ति युद्ध की वजह से समय पर नहीं हो पा रही है। अब इसके बाद वायु सेना के ऑपरेशनल 260 विमानों में से 150 को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल 'सुपर सुखोई' के रूप में भी अपग्रेड किया जाना है।

एचएएल ने 07 अप्रैल को 100वें सुखोई विमान का सिग्नल आउट सर्टिफिकेट (एसओसी) वायु सेना के असिस्टेंट चीफ ऑफ एयर स्टाफ (इंजी ए) एयर वाइस मार्शल सरीन को सौंपा। सुखोई को अपग्रेड करने का कार्य वायु सेना ने खुद अपने महाराष्ट्र के नासिक जिले के ओझर में स्थित 11 बेस रिपेयर डिपो (बीआरडी) में शुरू किया था। बीआरडी ने पहला सुखोई फाइटर जेट मरम्मत और ओवरहालिंग करके अक्टूबर, 2018 में वायु सेना की ऑपरेशनल स्क्वाड्रन को सौंपा था। वायु सेना के पास इस समय 260 सुखोई-30 लड़ाकू विमान ऑपरेशनल हैं, जिन्हें एचएएल अपने नासिक डिवीजन में इनकी मरम्मत और ओवरहालिंग करके अपग्रेड कर रहा है। अब इसके बाद 150 सुखोई फाइटर जेट को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल 'सुपर सुखोई' के रूप में अपग्रेड करने की योजना है, जिसके बाद भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। इसके लिए वायु सेना को 4 बिलियन डॉलर की जरूरत है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अपग्रेड प्रोग्राम के लिए पहले से ही प्रस्ताव दे रखा है, जिसे जल्द ही सरकार से मंजूरी मिलने की उम्मीद है। एचएएल नोडल एजेंसी के रूप में लगभग 150 लड़ाकू विमानों को पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल 'सुपर सुखोई' के रूप में अपग्रेड करेगी।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और भारतीय वायु सेना मिलकर 'सुपर सुखोई' के लिए उपकरण और प्रणालियों को अंतिम रूप दे देंगे, जिसके बाद 150 विमानों को अपग्रेड किया जाएगा। 'सुपर सुखोई' कार्यक्रम की मंजूरी रूस से मिल चुकी है, क्योंकि सुखोई-30 एमकेआई भारत और रूस के संयुक्त उत्पाद हैं। सुखोई को अपग्रेड करने के लिए कई घटक और पुर्जे रूस से आने हैं। 'सुपर सुखोई' में एक आधुनिक कॉकपिट शामिल होगा। अपग्रेड के प्रमुख हिस्से में एवियोनिक्स और सेंसर भी शामिल हैं, जिससे 150 लड़ाकू विमानों को तकनीकी तौर पर पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट के अनुकूल बनाया जाना है।

जमशेदपुर में दो गुटों में हिंसक झड़प, जमकर पथराव, आगजनी

शास्त्रीनगर में धारा 144 लागू, बनी पुलिस छावनी, अबतक 60 गिरफ्तार

- सौहार्द बिगाड़ने की साजिश, हनुमान झंडे के बांस में मांस का टुकड़ा बांधने से सुलगा विवाद
- पुलिस के अधिकारी भी मौके पर कैप कर रहे

प्रमुख संवाददाता, जमशेदपुर।

जमशेदपुर में असामाजिक तत्वों ने सौहार्द बिगाड़ने की साजिश की। इससे शास्त्री नगर इलाके में बवाल हो गया। दो गुट आमने-सामने आ गए। जमकर पथराव किया गया। आगजनी भी हुई। कई झोपड़ीनुमा दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित कर रही पुलिस पर भी पत्थर बरसाए गए। इस दौरान कई पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए। दोनों पक्ष से भी गई के घायल होने की खबर है। फिलहाल पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए स्थिति को नियंत्रित कर लिया है। शास्त्रीनगर इलाके में धारा 144 लागू कर दिया गया है। पूरा इलाका पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है। पुलिस के वरीय अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। कई अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक उपद्रव में शामिल को 60 लोगों गिरफ्तार कर लिश गया है।

बवाल के दौरान उपद्रवियों द्वारा की गई आगजनी, बुझाने की कोशिश पुलिसकर्मी ● फोटोन न्यूज

ऐसे बिगड़ा माहौल: कदमा स्थित शास्त्रीनगर के जटाधारी हनुमान मंदिर चैके के पास असामाजिक तत्वों द्वारा हनुमान झंडे के बांस में मांस का टुकड़ा एक प्लास्टिक के साथ बांध दिया गया। इससे एक समुदाय के लोग आक्रोशित हो गए और हंगामा शुरू कर दी। इसबीच दूसरे समुदाय के लोग भी सामने आ गए। इससे विवाद बढ़ गया और हिंसा की स्थिति उत्पन्न हो गई।

दागे गए आंसू गैस के गोले

तनाव के बीच जिला प्रशासन ने धारा 144 लागू करते हुए एसडीओ ने माइक से इसकी घोषणा की। इस दौरान पथराव की भी घटना हुई। हालांकि, पुलिस ने भीड़ को कंट्रोल करने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागे। पूरे इलाके में जिला पुलिस बलों के अलावा रैफ की तैनाती कर दी गयी है। इधर, एसएसपी के बाद अब उपायुक्त विजया जाधव भी घटनास्थल पर पहुंच गयी है। उन्होंने बताया कि 60 उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है।

ड्रोन से निगहबानी, शांति की अपील

बताया जा रहा कि एक समुदाय द्वारा पुलिस पर भी पथराव किया गया। इसके जवाब में पुलिस ने बल प्रयोग किया। पथराव करने वालों की पहचान के लिए प्रशासन ने ड्रोन उड़ाया। उपद्रवियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के चार गोले दागे। हालांकि इस दौरान उपद्रवियों ने आगजनी भी की। वहीं, पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र में स्थिति नियंत्रित करने के लिए रैफ को बुलाया। क्षेत्र में एक अतिरिक्त कंपनी पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। रात के समय ड्रैगन लाइट की डिमांड की गई, लेकिन नहीं मिलने पर गाड़ी के लाइट से ही काम चलाया गया। वहीं, प्रशासन ने एंबुलेंस भी बुलाया। क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस लगातार पूरे इलाके में गश्त कर रही है। प्रशासन द्वारा माइक से अनाउंसमेंट किया गया। क्षेत्र में शांति बनाये रखने की अपील की जा रही।

स्थिति नियंत्रण में है। अब तक 60 की गिरफ्तारी हो चुकी है। शहर के लोग शांति बनाए रखें अफवाहों पर ध्यान ना दें। अगर किसी के पास भड़काऊ पोस्ट या लिंक आता है तो उसे फॉरवर्ड करने से बचें। ऐसा करते पकड़े गए तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।

विजया जाधव, उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम

स्थिति नियंत्रण में है। पूरे इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इकट्ठा हुए लोगों को घर भेज दिया गया है। कई उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है।

प्रभात कुमार, एसएसपी जमशेदपुर

प्रधानमंत्री ने मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाकडू हाथी शिविर का किया दौरा

आदिवासी समाज के जीवन और परंपरा से कुछ ना कुछ सीखना चाहिए : पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ऑस्कर विजेता डॉक्यूमेंट्री "द एलीफेंट व्हिस्पर्स" के प्रमुख किरदार बोमन और बेली जोड़े से मिले। बाद में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें आदिवासी समाज के जीवन और परंपरा से कुछ ना कुछ जरूर सीखना चाहिए।प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इस मुलाकात की तस्वीरें साझा की गई हैं।

प्रधानमंत्री ने रविवार को अवैध शिकार और वन्य जीव व्यापार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कर्नाटक में "इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस" की शुरूआत की। प्रधानमंत्री ने मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में थेप्पाकडू हाथी शिविर का दौरा किया। यहां उन्होंने महावतों के साथ बातचीत की।

बोमन और बेली की "द एलीफेंट व्हिस्पर्स" को 95वें अकेडमी अवॉर्ड्स में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का पुरस्कार मिला है। 41 मिनट की यह लघु डॉक्यूमेंट्री एक अनाथ हाथी रघु और उसके देखभाल करने वाले बोमन और बेली नाम के महावत युगल के बीच के संबंधों की पड़ताल करती है। वे उसे शिकारियों से बचाने और पालने के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि "द एलीफेंट व्हिस्पर्स" को मिला ऑस्कर नेचर और क्रिएचर के बीच अद्भुत संबंधों की हमारी विरासत को दशार्ता है। मिशन लाइफ "लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरमेंट" के विजन को समझने में भी आदिवासी समाज की जीवन शैली से बहुत मदद मिलती है। उनका आग्रह है कि हमारे

मुंगेरी लाल के सपने देख रही है भाजपा : भट्टाचार्य

वरीय संवाददाता, रांची।

झामुमो पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखने में लगी है। रांची के शालीमार बाजार, रांची में हाट वाले दिन जितने लोग जुटते हैं, उतनी भीड़ जुटाने के लिए गोड्डा से स्पेशल ट्रेन से लोगों को रांची में लाया जा रहा है।

सुप्रियो भट्टाचार्य प्रदेश कार्यालय में रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय महासचिव भट्टाचार्य ने 11 अप्रैल को रांची में हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ के नारों के साथ भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि भाड़े के प्यादे से लड़ाई नहीं लड़ी जाती। हेमंत हटाओ का ख्वाब भाजपा देख रही है।

उन्होंने कहा कि तमाम एजेंसियों की मदद से उछलकूद कराने के बावजूद इस सरकार की सेहत पर असर नहीं पड़ा। उसे पांच सालों का जनादेश प्राप्त है। अगले 50 सालों के लिए भी आशीर्वाद सुरक्षित है। भाजपा और रेलवे बताए कि आखिर गोड्डा से 10 अप्रैल को खुलने वाली स्पेशल ट्रेन के लिए किसने कितना भुगतान किया है। आखिर इतना पैसा कहां से आया है।

प्रेस कांफ्रेंस करते केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ● फोटोन न्यूज

ब्रीफ न्यूज

सुखोई विमान में राष्ट्रपति की उड़ान सबके लिए प्रेरणादायक : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की असम के तेजपुर वायुसेना स्टेशन से सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान से ऐतिहासिक उड़ान को प्रेरणादायक बताया है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा है कि उनकी उड़ान ने हर भारतीय को प्रेरित किया है। राष्ट्रपतिजी ने बार-बार असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मुर्मू ने तेजपुर वायुसेना स्टेशन से सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में ऐतिहासिक उड़ान भरी। राष्ट्रपति मुर्मू इस तरह की उड़ान भरने वाली तीसरी राष्ट्रपति और दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं।

पूर्व विधायक चंद्रिका महथा कांग्रेस में होंगे शामिल

गिरिडीह : झाविमो के पूर्व विधायक चंद्रिका महथा 13 अप्रैल को कांग्रेस में शामिल होंगे। जय भारत सत्याग्रह यात्रा शामिल होने के लिए कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता गिरिडीह आएंगे। उसी दिन ही चंद्रिका महथा कांग्रेस का दामन थामेंगे। झामुमो के कद्दावर नेता रहे चंद्रिका महथा 2006 में बाबूलाल मरांडी की पार्टी झाविमो में शामिल हो गए थे।विगत विधानसभा चुनाव से पूर्व झाविमो का विलय भाजपा में कर दिया गया। चंद्रिका ने भाजपा में जाने से परहेज किया। विलय के बाद वह किसी दल में शामिल नहीं हुए। कांग्रेस में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर महथा ने बताया कि वे 13 अप्रैल से नई राजनीति पारी की शुरूआत करेंगे। उल्लेखनीय है कि 2009-14 तक चंद्रिका महथा ने जमुआ विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया । बाद के चुनावों में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर उन्हें चुनाव में लगातार दो बार हार मिली।

हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल : बाबूलाल मरांडी

मेदिनीनगर : भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल है। इनकी सरकार में लूट, दुष्कर्म, नक्सलवाद और रंगदारी पूरी तरह से चरम पर पहुंच चुकी है । बाबूलाल मरांडी ने कहा की 11 अप्रैल को हेमन्त सरकार की विफलता को लेकर राज्य भर से पार्टी नेता और कार्यकताओं द्वारा सचिवालय का घेराव किया जाएगा और सरकार को उखाड़ फेंकने का कार्य आरंभ किया जायेगा। बाबूलाल रविवार को शहर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में पलामू के नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में सांसद विष्णु दयाल राम, चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह, विधायक आलोक चौरसिया और विधायक शशि भूषण मेहता विधायक पुष्पा देवी कई भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता नागराज छब्बी भाजपा में शामिल

नई दिल्ली : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक विधान परिषद के पूर्व सदस्य नागराज छब्बी ने रविवार को नई दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और कर्नाटक राज्य भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार काटील और मंत्री गोविंद करजोल की उपस्थिति में उन्हें अंगवस्त्रम और भाजपा का ध्वज देकर पार्टी में शामिल कराया गया। नागराज कांग्रेस से कालाघाटागी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट नहीं दिए जाने के चलते नाराज चल रहे थे।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी 10 व 11 को त्रिपुरा का करेंगे दौरा

नई दिल्ली : केंद्रीय पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री जी किशन रेड्डी 10 एवं 11 अप्रैल को त्रिपुरा का दौरा करेंगे। मंत्री रेड्डी मुख्यमंत्री माणिक साहा और डोनर मंत्रालय, एनईसी और राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। रेड्डी अगरतला अखौरा रेल परियोजना का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मंत्री रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में नॉर्थ ईस्ट सिक्योरिटी एजुकेशन एंड ग्लोबल एम्प्लॉयबिलिटी कॉन्क्लेव में भी शामिल होंगे।

तीसरे मतदाता सामाजिक सम्मेलन में शिरकत करने झांसी पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कहा

2047 तक नहीं है पीएम व सीएम की कोई वैकेंसी

एजेंसी, झांसी।

पत्रकारों को जानकारी देते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व उपस्थित अन्य। ● एजेंसी

24 घंटों में जिले में तीसरे प्रभावी मतदाता सामाजिक सम्मेलन में शिरकत करने व विकास कार्यों की समीक्षा करने रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य वीरांगना भूमि झांसी पहुंचे। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर हमलावर होते हुए कहा कि हम 2047 में स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएंगे। 2047 तक फिलहाल देश में पीएम व सीएम के लिए कोई वैकेंसी नहीं है। देश में मोदी व प्रदेश में योगी की डबल इंजन की सरकार चल रही है। निकाय चुनाव जीतने के बाद भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएगी।

रविवार को विकास भवन में विकास कार्यों और सरकार की योजनाओं की समीक्षा करने के बाद प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव ने पत्रकारों को बताया कि लुप्त हो रही 75 नदियों को पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा। इससे जल संकट दूर होगा। नरेंद्र मोदी दुनिया के ऐसे नेता है जिनके नेतृत्व में हर घर नल हर घर जल योजना चालू कर इतिहास रचा गया है। साथ ही कोरोना काल में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया गया। देश-विदेश में बेक्सिनेशन किया वह कार्य आज भी किया जा रहा है। एक सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि पूरे देश में रामचरित मानस का सम्मान किया जाता है। धार्मिक ग्रंथों पर धमार्चार्यों को विचार करना चाहिए। इस पर किसी राजनेतिक लोगों को टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

अखिलेश यादव के भाजपा द्वारा उनकी सोशल मीडिया पर छवि धूमिल किए जाने वाले बयान पर उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर प्रहार हो रहा है। देश में अपराध में कमी आई है। सपा गुंडों, अपराधियों माफियाओं का साथ छोड़ दें तो उनकी छवि 20- 25 वर्ष में सुधर जायेगी।

एनसीआरटी की किताबों से मुगलों का पाठ्यक्रम हटाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसको तो पहले ही हटा देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा में भाजपा 80 की 80 सीट जीतेगी, साथ ही निकाय चुनाव में झांसी समेत समस्त सीट जीतने जा रही है। इससे भाजपा की डबल इंजन की जगह ट्रिपल इंजन की सरकार बनने जा रही है। इससे विकास की गति और बढ़ जाएगी।

इसके बाद वह 2 बजे से दीनदयाल सभागार में आयोजित होने जा रहे प्रभावी मतदाता सम्मेलन में निकल पड़े। उनके साथ सांसद अनुराग शर्मा, चारों विधायक, जिलाध्यक्ष जमुना कुशवाहा समेत जिलाधिकारी व प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा।

राजद युवाओं को साथ लेकर चलने वाली पार्टी : रंजन यादव

संवाददाता, रांची।

राष्ट्रीय जनता दल युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव ने कहा कि 2023-25 के कमिटी की पहली सूची जारी की गयी है। लोकसभा-विधानसभा चुनाव को लेकर राजद अपनी तैयारियों में जुट गया है। युवा संगठन की रीढ़ होते हैं। हमारी पार्टी युवाओं को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। पार्टी के शीर्ष नेताओं की उम्मीद पर हम खड़ा उतरेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए युवा मोर्चा ने नयी कमिटी की पहली सूची जारी की है। रंजन ने कहा कि मेहनत करने वाले लोगों को नयी कमिटी में जिम्मेदारी दी गयी है।

रंजन यादव रविवार को प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि युवा राजद उपाध्यक्ष के लिए तीन लोगों को नयी कमिटी में जगह दी गयी है। इनमें रांची से सुनील कुमार, रांची से सौकत अंसारी और चतरा से विनोद भोक्ता हैं। जिला अध्यक्ष में साहेबगंज मो. सद्दाम हुसैन, देवघर नगर अध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह, गोड्डा मो अंजर अहमद, हजारीबाग में मो. अय्यान रजा खान, गिरिडीह में रवि कुमार, बोकारो में संतोष कुमार गिरी, रांची से जफर अंसारी, रांची से महानगर अध्यक्ष दिलीप सिंह, पलामू से केदार यादव, गढ़वा से विनीत कुमार हैं।

युवा प्रदेश सचिव में पलामू से संतोष कुमार, रांची से फरहान खान, रांची से अजय कुमार, चतरा से नीतीश कुमार, पलामू से कमल कांत, पलामू से धर्मेंद्र कुमार, रांची से अरसद अंसारी, रांची से प्रशांत कुमार, रांची से राज कुमार, लातेहार से संजय कुमार यादव, देवघर से नूनू झा और हजारीबाग से रघुनाथ कुमार राणा युवा प्रदेश अध्यक्ष हैं।

युवा प्रदेश महासचिव में रांची से मोईन अंसारी, रांची से उर्मिला सोरेंग, रांची से ममता कुजूर, रांची से विक्की यादव, बोकारो से जितेंद्र नारायण यादव, रांची से राम सिंह, चतरा से दीपक यादव, रांची से अभिषेक सिंह यादव, कोडरमा से प्रदीप यादव, हंटरगंज चतरा से संतोष कुमार, गढ़वा से मुनेश्वर सिंह, देवघर से पंकज सिंह, देवघर से काजल कुमार यादव, रांची से मंतोष यादव, रांची से क्षितिज कुमार मिश्रा और रांची गायत्री देवी को मिली है जिम्मेवारी।

सरल भाषा में लोगों को न्याय दिलाना हमारा प्रमुख उद्देश्य : शिवराज सिंह

महाधिवक्ता कार्यालय के नए भवन का भूमिपूजन करते सीएम। ● एजेंसी

एजेंसी, जबलपुर।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कई पुराने कानून जिनकी कोई जरूरत भी नहीं थी, उन्हें खत्म किया। इसी तरह प्रदेश में भी वर्ष 1800 के बने बेकार कानूनों जिनकी जरूरत भी नहीं थी, उन्हें खत्म करने का हमने काम किया है। इसके साथ आगे आम आदमी को समझ में आने वाली सरल भाषा में न्याय लोगों को दिलाना हमारा प्रमुख उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री चौहान रविवार को जबलपुर में महाधिवक्ता कार्यालय के नए भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी का अपना महत्व है। लेकिन हम जिस प्रदेश में रहते हैं, वहां की भाषा का उपयोग किया जाए। हिंदी को बढ़ाने के लिए हमने प्रदेश में मेडिकल की पढ़ाई और परीक्षा भी हिंदी में देंगे। ये चीजें न्याय को जनता के निकट पहुंचाने का काम करेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट की एक अलग ही पहचान है। इसी तरह नए महाधिवक्ता कार्यालय के लिए भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि महाधिवक्ता कार्यालय न्यायपालिका और सरकार के बीचे में सेतु का कार्य करता है। बदलते जमाने की आवश्यकताएं है। आज की जरूरतों को पूरा करने वाला महाधिवक्ता कार्यालय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जीवन में कुछ कर पाया तो हैं स्वामी विवेकानंद के विचार से किया। जिस विचार पर आज न्यायापालिका भी चल रही हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री चौहान ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के गेट नंबर पांच के सामने प्रस्तावित सात मंजिला महाधिवक्ता कार्यालय का भूमि पूजन किया। इस दौरान उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ ने की। इसके अलावा आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल के चेयरमैन न्यायमूर्ति राजेन्द्र मेनन भी विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल रहे। कार्यक्रम में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह समेत, हाई कोर्ट के अधिकारी कर्मचारी, अधिवक्तागण व अनेक हस्तियां मौजूद थीं। महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने अतिथियों को शाल व श्रीफल से सम्मानित किया।

खूंटी : विधायक ने किया सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

संवाददाता, खूंटी

तोरपा के भाजपा विधायक कोचे मुंडा ने रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के कसिरा पुल के पास जागू से कसिरा तक बनने वाली छह किलोमीटर सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास पाहनों और पंडितों ने एक साथ पूजा-अर्चना के बाद किया। ग्रामीणों ने विधायक से इस सड़क के निर्माण की मांग थी। मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत इसका निर्माण कराया जाएगा।

शिलान्यास के बाद चिदी बगीचे में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा झारखंड की वर्तमान सरकार में लूट-खसोट और भ्रष्टाचार किस प्रकार बढ़ा हुआ है, यह किसी से छिपा नहीं है। उनहोंने कहा कि प्रखंड और अंचल कार्यालय में विकास कार्य और जमीन के म्यूटेशन के नाम पर खुली लूट मची हुई है। विधायक ने कहा कि यहां की भोली भाली जनता को गुमराह में कर हेमंत सरकार अधिकारियों से मिलकर झारखंड को लूटने में लगी हुई है।

केंद की मोदी सरकार ऐसे भ्रष्ट लोगों को चुन-चुनकर जेल भेज रही है। भष्टचारी नेताओं और पूजा सिंघल पुरवार जैसे भष्ट आइएएस अफसरों को भी छोड़ा नहीं जाएगा। कोचे मुंडा ने कहा कि पहले हम लोग दिल्ली जाते थे, तो वहां की सड़कों को देखकर लगता था कि पता नहीं हमारे क्षेत्र में कभी ऐसी सड़क बन पाएगी या नहीं, लेकिन झारखंड में डबल इंजन की सरकार रही और पूरे झारखंड में सड़कों का जाल बिछा दिया गया। आज हर तरफ चौड़ी- चौड़ी सड़क नजर आ रही है। इसके कारण ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्र विकास की ओर भी बढ़ रहे हैं।

कार्यक्रम को भाजपा खूंटी जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर गुप्ता, प्रदेश कार्य समिति सदस्य संतोष जयसवाल, जिला उपाध्यक्ष कृपा सिंधु बेहरा, हुरदा मंडल अध्यक्ष ओमेन सिंह, बानो मंडल अध्यक्ष कमलेश्वर सिंह, रनिया मंड़ल अध्यक्ष निखिल कन्डुलना, गो हल्लु साहू सहित अन्य उपस्थित है।

पायलट ने अपनी ही सरकार के खिलाफ एक दिन के अनशन पर बैठने का किया ऐलान

एजेंसी, जयपुर।

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलीभगत के आरोपों के मद्देनजर अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन पर बैठने का ऐलान किया है। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। पायलट ने यह घोषणा रविवार को अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता में की। उन्होंने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री गहलोत से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खिलाफ सालभर पहले शिकायत की थी, लेकिन गहलोत ने कोई एक्शन नहीं लिया। पायलट इसके विरोध में 11 अप्रैल को जयपुर में शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करेंगे।

पायलट ने कहा कि वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं की गई। जबकि विपक्ष में रहते हुए हमने यह वादा किया था कि जांच कराई जाएगी। चुनाव को 6-7 महीने बचे हैं, विरोधी भ्रम फैला सकते हैं कि कहीं कोई मिलीभगत तो नहीं है, यह साबित करने के लिए जल्दी कार्रवाई करनी होगी ताकि कांग्रेस कार्यकताओं को लगे कि हमारी कथनी-करनी में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि वसुंधरा सरकार के वक्त विपक्ष में रहते हुए हमने 45 हजार करोड़ के घोटालों को लेकर आवाज उठाई थी और यह वादा किया था कि सरकार आएगी तो इन घोटालों पर निष्पक्ष तरीके से जांच करवाएंगे और दोषियों को सजा देंगे। खासतौर पर हमने भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाया, जिसका परिणाम हुआ कि उनकी सरकार चली गई। मैंने कभी द्वेषपूर्ण कार्रवाई के लिए नहीं कहा, लेकिन विपक्ष के रूप में बनी हमारी विश्वसनीयता को बरकरार रखना होगा। मैंने मुख्यमंत्री गहलोत से आग्रह किया था। 28 मार्च 2022 को पहली चिट्ठी लिखी थी। उस पर कोई जवाब नहीं मिला। दो नवम्बर 2022 को फिर दूसरी चिट्ठी लिखी। उसका भी जवाब नहीं आया।

पायलट ने कहा कि 'क्या कारण है कि बार-बार सत्ता में आने के बावजूद हम विपक्ष में रहते जो आरोप लगाते हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं करते। हम दोबारा जब चुनाव में जाएंगे तो हमारी बात पर कोई यकीन करे इसलिए जरूरी है कि हम कोई एक्शन लें। गहलोत और मैंने मिलकर आरोप लगाए थे, जब तक निष्पक्ष जांच नहीं हो तब तक कैसे पता लगेगा। जांच में अगर निकल कर आता है कि कोई दोषी नहीं था तो मान लेंगे कि गहलोत जी और मैं झूठे थे। जब तक कोई केस रजिस्टर्ड नहीं होगा, तब तक लोग कैसे मान लेंगे कि हमने जो वसुंधरा सरकार के खिलाफ आरोप लगाए थे, वह सही हैं या गलत। पायलट ने कहा कि मैंने राजस्थान को लेकर पार्टी हाईकमान को जो सुझाव दिए थे, उनमें से एक सुझाव यह भी था कि हमने विपक्ष में रहते हुए जो भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोप लगाए थे, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

पायलट ने कहा कि मैंने 28 मार्च 2022 और 2 नवंबर 2022 को गहलोत को चिट्ठी लिखी थी। अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ। 11 अप्रैल को प्रसिद्ध समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की जयंती है, उसी दिन मैं शहीद स्मारक पर एक दिन का अनशन करूंगा। मैंने जिला प्रशासन को इस बारे में सूचना दे दी है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एक दिवसीय दौरे पर राम नगरी पहुंचे, बोले

सत्ता के लालच में हिन्दुत्व से गुमराह हुए थे उद्धव ठाकरे

एजेंसी, अयोध्या।

पत्रकारों से बात करते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे । ● एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक दिवसीय दौरे पर रविवार को राम नगरी पहुंचे। भगवान राम का दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण से बाला साहेब ठाकरे का सपना पूरा हो रहा है। राम मंदिर हमारी श्रद्धा और आस्था से जुड़ा है। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। अयोध्या की इस यात्रा को हम जीवन में कभी भूल नहीं पाएंगे। इस दौरान उन्होंने हिन्दुत्व के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे पर भी हमला बोला।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि 500 सालों के इंतजार के बाद मुझे खुशी है कि शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे का अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर निर्माण का सपना पूरा हो रहा है। आज मंदिर के स्तंभ और छत भी दिखाई दे रहे हैं, जिसे देख आश्चर्य हो रहा है। ये सब प्रधानमंत्री मोदी की शुरूआत और उनका नेतृत्व है। मुख्यमंत्री योगी की निगरानी में पूरा काम हो रहा है। भगवान राम की कृपा से हमें पार्टी का नाम और धनुष बाण मिला है। इसलिए हम सभी मंत्रियों के साथ यहां रामलला का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या यात्रा को मैं कभी जिंदगी में भूल नहीं पाऊंगा। पहले में नियोजन करने आता था। आज कार्यकर्ताओं ने यात्रा का नियोजन किया है। जो इतना भव्य आयोजन हुआ। आज हमारी पूरी सरकार यहां मौजूद है। मेरे सहयोगी उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी आए हैं। संत-महंतों का आशीर्वाद और सरयू आरती का भी दर्शन होगा।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर और अयोध्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के लिए राजनीति का विषय नहीं है। यह हमारी आस्था का विषय है। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि अयोध्या का विकास तेजी से हो रहा है। लाखों-करोड़ों लोगों को रोजी-रोटी के साथ मंदिर मिलने जा रहा है। शिंदे ने कहा कि 2019 में जो लोगों का मन था कि बीजेपी शिवसेना की सरकार साथ में बने। उन्हें सत्ता के लालच में गुमराह किया गया लेकिन हमने आठ महीने पहले जनता के फैसले को निभाया है।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों के मन में जो था, वैसी सरकार हमने बनाई है। खुलेआम दोनों की विचारधारा को लेकर आज अयोध्या में दर्शन करने आए हैं। जो लोग जानबूझकर ऐसा कह रहे हैं, वह कहते थे कि पहले मंदिर फिर सरकार। जो लोग कहते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे तारीख नहीं बताएंगे, वे लोग आज झूठे साबित हुए, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने मंदिर भी बना दिया और तारीख भी बता दिया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर कहा कि भगवान राम ने बिना कुछ कहे पिताजी के वचन को निभाकर 14 साल वनवास काटा, दूसरी तरफ जिस बेटे ने जनता और अपने पिता को जबान दी थी, उसने सत्ता के लालच में क्या-क्या किया।

उन्होंने कहा कि पिछले आठ-नौ महीनों में जो निर्णय हुए वह कई सालों में नहीं हुए हैं। हमारी सरकार आमजन, कामगारों, विद्यार्थी, महिला गरीब जन, सभी की सरकार है। मैं घर में बैठने नहीं बल्कि फील्ड में काम करने वाला मुख्यमंत्री हूं। आदेश देकर एसी में बैठने वाला नहीं बल्कि कार्यकर्ता और जमीन से जुड़ा हुआ मुख्यमंत्री हूं।

11 से 13 अप्रैल तक फ्रांस और इटली के दौरे पर रहेंगे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 11 से 13 अप्रैल तक फ्रांस और इटली की आधिकारिक यात्रा करेंगे। उनके साथ एक शीर्ष सीईओ का प्रतिनिधिमंडल भी होगा।

केंद्रीय मंत्री अपने फ्रांसीसी समकक्ष ओलिवियर बेख्त के साथ भारत और फ्रांस की मित्रता के 25 वर्ष के उपलक्ष्य में भारत-फ्रांस बिजनेस सम्मिट की सह अध्यक्षता करेंगे।

सरकार के अनुसार इस यात्रा से यूरोपीय क्षेत्र में भारत के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार शिखर सम्मेलन में हरित भविष्य के निर्माण, उभरती प्रौद्योगिकियों, रक्षा सहयोग और हिंद-प्रशांत से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग सहित विभिन्न विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पीयूष गोयल फ्रांस के मंत्री ओलिवर बेख्त के साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत और सॉफ्ट पावर को दशार्ने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। उनका पेरिस में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत का भी कार्यक्रम है।

पीयूष गोयल बाद में रोम (इटली) की यात्रा करेंगे। वह वहां उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मंत्री एंटोनियो ताजानी से मिलेंगे। इसके बाद सरकार और उद्योग जगत के लोगों के साथ एक डिनर होगा। उनका द्विपक्षीय बैठकों के लिए शीर्ष इतालवी सीईओ से मिलने का कार्यक्रम है। इसके बाद सीईओ इंटरएक्टिव बिजनेस सेशन होगा जिसमें 35 सीईओ के भाग लेने की संभावना है। इसके बाद उद्यम मंत्री अडोल्फो उर्सो के साथ बैठक होगी, जो भारतीय सीईओ के साथ भी बातचीत करेंगे।

ब्रीफ न्यूज

चुटिया इलाके में पीपल पेड़ में फंदे से लटका मिला युवक का शव

रांची : राजधानी रांची के चुटिया थाना क्षेत्र स्थित इंदिरा गांधी चौक के समीप एक युवक का शव बरामद किया गया है। चुटिया थाना से महज 200 मीटर की दूरी में स्थित पीपल पेड़ में युवक का शव फंदे से लटका हुआ था। युवक की पहचान रंजीत के रूप में हुई है। आज सुबह स्थानीय लोगों ने पीपल पेड़ में लटकते हुए शव को देखकर इस मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक ने आत्महत्या किया है या फिर किसी ने युवक की हत्या कर फंदे से लटका दिया है। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच किया जा रहा है।

योग खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

रांची : भारतीय जनता युवा मोर्चा(भाजयुमो) के कला और खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर की ओर से रविवार को नामकुम में सैकड़ों योग खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। अमृत महोत्सव के तहत एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत अटल बिहारी वाजपेयी खेल सम्मान का प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। मौके पर आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि लगातार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का काम भाजयुमो कर रही है। खिलाड़ियों का सम्मान देने से खिलाड़ियों को मनोबल बढ़ता है। झारखंड खिलाड़ियों का गढ़ रहा है। यहां के खिलाड़ी कम संसाधन के बावजूद भी अपनी लगन और मेहनत से झारखंड का नाम पूरे देश में रोशन कर रहे हैं। सम्मानित खिलाड़ियों में झारखंड के नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट इन योगा, 36 नेशनल गेम्स, खेलो इंडिया, यूनिवर्सिटी गेम्स आदि के सैकड़ों योग खिलाड़ी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अनिल कुमार, विशिष्ठ अतिथि भाजयुमो कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी, गुरुकुल शिक्षा के निदेशक सूरज प्रसाद , विकास कुमार गोप सहित कई लोग उपस्थित थे।

आज डीजीपी सभी एसपी के साथ करेंगे लॉ एंड ऑर्डर की समीक्षा

रांची : झारखंड पुलिस मुख्यालय में राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह के द्वारा सोमवार (10 अप्रैल) सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों, आईजी, रेंज डीआईजी और वरीय पुलिस अधिकारियों के साथ राज्य के कानून व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। डीजीपी की मीटिंग पुलिस मुख्यालय में सोमवार को दिन के 11।30 बजे से होगी। जिले के सभी एसएसपी/एसपी, डीआईजी,आईजी को वीसी ज्वाइन करने का निर्देश दिया गया है। कॉन्फ्रेंस हॉल में पुलिस मुख्यालय से संबंधित वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इससे पहले डीजीपी ने बीते छह अप्रैल को जिलों के एसपी के साथ लंबित कांडों को लेकर समीक्षा बैठक किए थे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

बढ़ रहे कोरोना के एक्टिव मरीज, गाइडलाइन की उड़ रही धज्जियां, पूरे राज्य में 58 संक्रमित

कहीं नहीं मिल रही वैक्सीन, जांच भी पूरी नहीं, आज सदर अस्पताल में होगी मॉक ड्रिल

वरीय संवाददाता, रांची।

कोरोना वायरस का संक्रमण एक बार फिर बढ़ने लगा है लेकिन ना ही कोरोना वैक्सीन है और ना ही कोविड जांच की पुख्ता व्यवस्था। अभी राजधानी रांची में कोरोना के 21 एक्टिव केस हैं, जिसमें से एक दिन पहले दो नए संक्रमितों की पहचान हुई है। दूसरी ओर पूरे राज्य में 58 एक्टिव केस हैं। इस बढ़ते संक्रमण के बीच कोविड जांच सदर अस्पताल छोड़कर कहीं भी नहीं हो रही है। साथ ही कोरोना गाइडलाइन की धज्जियां उड़ी जा रही है। पूरे देश सहित रांची में बढ़ते संक्रमण के बीच भी लोग मास्क में नहीं दिख रहे हैं, बाजारों में वही पुरानी स्थिति बनी हुई है। एयरपोर्ट से लेकर रेलवे स्टेशनों में हर दिन बाहर से लोग राजधानी में बिना किसी जांच के प्रवेश कर रहे हैं। इन सब के बीच अस्पतालों की बात की जाए तो कोरोना से लड़ने के लिए पुरानी तैयारियों को दुरुस्त किया गया है। कहीं पर इसे दुरुस्त किया जा रहा है। रिम्स और सदर अस्पताल प्रबंधन कोरोना आउट ब्रेके के लिए खुद को तैयार होने का दावा कर रहा है। अस्पताल में बेड से लेकर आक्सीजन सिलेंडर तक तैयार कर लिया गया है। लेकिन ना ही कोविड जांच हो रही है और ना ही कोविड वैक्सीन मिल रही है।

कोरोना को लेकर ये हैं तैयारियां

- सदर अस्पताल : 60 बेड
- रिम्स : 24 बेड, आईशोलेशन वार्ड में 30 बेड, मल्टी स्टोरी पार्किंग में बेड
- दोनों अस्पतालों में आईसीयू, हाई फ्लो आक्सीजन बेड और वेंटिलेटर तैयार
- रिम्स में कोविड टास्क फोर्स एक्टिव
- सदर में नहीं है कोविड टास्क फोर्स
- दोनों अस्पताल में नहीं है अलग से इंफेक्शन कंट्रोल नर्स
- सदर में हो रहा है कोविड जांच, रिम्स में नहीं लिया जा रहा सैंपल

केंद्र के निर्देश के बाद कोरोना की तैयारी को लेकर सोमवार को सदर अस्पताल में माक ड्रिल कराया जाएगा। इसमें कोविड मरीज के आने के बाद उसे भर्ती किए जाने से लेकर उसकी इलाज की व्यवस्था पर होगी नजर। साथ ही देखा जाएगा कि आक्सीजन की सप्लाई किस तरह की जा रही है और पर्याप्त है या नहीं। साथ ही अन्य इमरजेंसी दवाओं की व्यवस्था पर ही काम होगा।

बाजारों में नहीं दिख रहा सोशल डिस्टेंसिंग

बाजारों में सोशल डिस्टेंसिंग नहीं दिख रही है। लोगों आराम से भीड़ में खरीदारी कर रहे हैं। लेकिन कोरोना संक्रमण का फैलाव सबसे अधिक लोगों के संपर्क में आने से होता है। रिम्स के मेडिसिन विभाग के एचओडी डा विद्यापति बताते हैं कि लोगों को संभल जाने की जरूरत है। लगातार संक्रमित मिल रहे हैं, पुराने कोरोना गाइडलाइन को ही फालो करना चाहिए। साथ ही भीड़-भाड़ वाले जगहों से दूरी बनाकर रखना जरूरी है। यह कोरोना के बाद एक बार इस तरह का आउटब्रेक जरूर होता है, अधिक घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। कोरोना के लक्षण दिखायी देने पर डाक्टर को जरूर दिखाएं, खुद से इलाज ना करें।

सदर अस्पताल छोड़कर कहीं भी जांच की व्यवस्था नहीं

जिले में सदर अस्पताल छोड़कर कहीं भी कोविड जांच की व्यवस्था नहीं है। इस कारण भी नए संक्रमितों की पहचान नहीं हो पा रही है। जबकि दूसरी लहर के दौरान शहर के 20 से अधिक जगहों पर जांच की व्यवस्था थी। अभी सिर्फ रिम्स में ही जांच की जा रही है, जिसके बाद एक जगह से ही एक माह के अंदर 21 संक्रमित मिले हैं। जिनका होम आइसोलेशन में इलाज चल रहा है। पूरे जिले में कोरोना वैक्सीन ही समाप्त हो चुका है। बच्चे लेकर बड़ों तक का वैक्सीन नहीं मिल रहा है। पिछले तीन-चार माह से वैक्सीन के नहीं मिलने से लोगों में डर भी है और मायूसी भी। खासकर के 12वर्ष के बच्चों के लिए कोर्बिवैक्स वैक्सीन की व्यवस्था की गई थी, जो पहला डोज भी पूरा नहीं हो पाया। इस वैक्सीन का पहला डोज 55 प्रतिशत और दूसरा डो मात्र 28 प्रतिशत बच्चों को ही लग पाया। बच्चों को कोरोना वैक्सीन तो पूरा मिला नहीं, बड़ों को भी पूरी डोज नसीब नहीं हुई है। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग वाले लोागें को पहली डोज तो शत प्रतिशत लग गई, लेकिन दूसरी डोज मात्र 77 प्रतिशत और तीसरी डोज तो 55 प्रतिशत में ही लटक गई है। जिले में 15-17 आयु वर्ग में तो दूसरी डोज 40 प्रतिशत तक ही मिली है। डीआरसीएचओ डा अशीम कुमार मांझी बताते हैं कि दर्जनों बार वैक्सीन की मांग की गई लेकिन कभी भी मांग पूरी नहीं की गई है। अंतिम बार कम से कम दो हजार वैक्सीन डोज की मांग की गई, वो भी नहीं मिल पाया। अब सरकार ने पूरे राज्य के लिए 50 हजार वैक्सीन डोज की मांग की है, जिसके बाद अब हर जिले से डिमांड पूछी जाएगी, अभी तक कोई डिमांड नहीं पूछी गई है। लेकिन अभी भी वैक्सीन मिल जाए तो बड़ी राहत मिलेगी।

दक्षिण भारत से आने वाले यात्रियों की होगी जांच

सिविल सर्जन डा विनोद कुमार बताते हैं कि अभी कुछ जगहों पर कोरोना जांच कराने का निर्देश मिला है। इसमें एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन शामिल है। इन जगहों पर कुछ खास यात्रियों की ही जांच करायी जाएगी। इसमें महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक से आए लोगों का ही सैंपल लिया जाएगा। इसके लिए दक्षिण भारत से आने वाले ट्रेनों पर नजर रखी जाएगी। अगले दो से तीन दिनों में इन दो जगहों पर जांच शुरू होगी। जांच में ट्रूनेट से लेकर आरटीपीसीआर टेस्ट होंगे। साथ ही ऐसे लोगों का मोबाइल नंबर व पता भी रखा जाएगा ताकि उन्हें जरूरत पड़ने पर ट्रेस किया जा सके। इस बार कोरोना जांच और वैक्सीन मिलने के बाद वैक्सीनेशन के लिए कोई भी कर्मी को आउटसोर्स के माध्यम से नहीं रखा जाएगा। सिविल सर्जन ने बताया कि इस बार प्रखंडों से स्वास्थ्य कर्मियों को रखा जाएगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर अन्य स्टाफ लगाए जाएंगे। पिछली बार कोरोना समाप्त होने के बाद सभी आउटसोर्स कर्मियों को हटा दिया गया। पैसे का मामला भी फंस जाता है, इस बार कोई अलग से पैसे देने का काम नहीं होगा। सभी अपने ही स्टाफ काम में लगाए जाएंगे।

जेवर व्यवसायी को अपराधियों ने बनाया निशाना

बाइक की डिक्की से चार किलो चांदी और 20 ग्राम सोना ले उड़े बदमाश

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

मांडर थाना के सामने एनएच 75 में स्थित ज्योति मेडिको के सामने से एक ही जेवर व्यवसायी से दूसरी बार रविवार की शाम को अपराधियों ने बाइक की डिक्की से तीन लाख रुपये से अधिक के सोने चांदी का जेवर उड़ा लिये। घटना रविवार 6 बजे की है। चान्हो थाना क्षेत्र के चोरेया गांव निवासी भुक्तभोगी जेवर व्यवसायी वासुदेव प्रसाद साहू की मांडर में ही अंबिका ज्वेलर्स नामक सोने चांदी की दुकान है। रविवार को व्यवसायी मांडर स्थित साप्ताहिक हाट से जेवर बेच कर अपने बेटे नीरज सोनी के साथ वापस लौट रहे थे। रास्ते में दवा लेने के लिए व्यवसायी पिता-पुत्र दुकान क पास रुके। इसी बीच पीछे से आये बाइक सवार अपराधियों ने डिक्की खोल कर जेवर का थैला लेकर भाग निकला। इस संबंध में मांडर में थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। पुलिस को दिये बयान में बताया कि थैला में चार किलो चांदी व 20 ग्राम सोने के आभूषण थे।

अपाको बता दें कि 28 जून 2022 को इसी अंदाज में इसी जगह से बासुदेव प्रसाद के बाइक की डिक्की में रखे करीब 10 लाख के जेवर लूट लिया था। वहीं, 21 मई 2022 को इसी जगह पर अपराधियों ने चोरेया निवासी मांडर कालेज के प्रोफेसर राम कुंवर साहू की बाइक की डिक्की खोल पांच लाख रुपये उड़ा लिये थे और इसी तरह भीड़भाड़ भरे चौक से बीजुपाड़ा की ओर फरार हो गए थे।

फायरिंग मामले में मुख्य आरोपी सहित छह धराए

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

सुखदेव नगर थाना पुलिस ने आनंद नगर रोड नंबर -एक में आपसी विवाद को लेकर हुई फायरिंग और मारपीट मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी विक्रम सिंह उर्फ सोनू सिंह, सरयू प्रसाद साहू, अविनाश सिंह, सचिन कुमार, अर्जुन सिंह उर्फ विकास सिंह और पिंटू गुप्ता शामिल हैं। इनके पास से एक देसी लोडेड पिस्टल, चार जिंदा गोली और चार खोखा बरामद किया गया है।

सिटी एसपी शुभांशु जैन ने रविवार को बताया कि गत आठ अप्रैल को किशोरगंज आनंद नगर रोड नंबर एक में आपसी विवाद को लेकर करीब 20-25 लोगों के द्वारा लोगो को भयभीत करने के उदेश्य से 8-10 राउंड फायर किया गया। सिटी एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर घटना में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते सिटी एसपी शुभांशु जैन ● फोटोन न्यूज

उल्लेखनीय है कि आनंद नगर में रांची नगर निगम के वार्ड पार्षद ओम प्रकाश और विक्रम सिंह उर्फ सोनू नाम के युवक में किसी बात को लेकर सुबह विवाद हुआ था। उसके बाद विक्रम सिंह ने पुलिस को विवाद के संबंध में बताया भी था। दोनों ओर से सुखदेवनगर थाना में लिखित आवेदन भी दिया गया था। इस बीच पुलिस ने मध्यस्था भी करवाई थी। बताया गया कि ओम प्रकाश और विक्रम के बीच हुए विवाद के बाद शाम को विक्रम सिंह उर्फ सोनू अपने सहयोगियों के साथ आनंद नगर पहुंचा और फायरिंग की।

आभूषण चोरी मामले में इलेक्ट्रीशियन गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

डोरंडा थाना पुलिस ने इलेक्ट्रीशियन अजीत कुमार उपाध्याय को चोरी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक जोड़ा सोने का कंगन जालीदार और एक सोने का चैन बरामद किया है।

बताया जाता है कि सात अप्रैल को डोरंडा के पत्थर रोड मनीटोली निवासी सुरेश विजय ने आरोप लगाया था कि एक अजीत नाम का इलेक्ट्रीशियन उनके घर बिजली का काम करने आया था। उस दिन उनके अलमीरा से करीब पांच लाख रूपया का सोने का आभूषण चोरी हो गया। इसमें एक जोड़ा सोने का कंगन, एक सोने का चैन एवं पांच सोने का अंगूठी थी। उस

गिरफ्तार आरोपी अजीत कुमार ● फोटोन न्यूज

दिन से इलेक्ट्रीशियन अजीत फरार है। आठ अप्रैल को जब इलेक्ट्रीशियन अजीत कुमार को डोरंडा थाना बुलाया गया। गहन पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसके स्वीकारोक्ति बयान पर आठ अप्रैल की शाम उसके घर से एक जोड़ा सोने का कंगन और एक सोने का चैन बरामद कर लिया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में रविवार को जेल भेज दिया गया।

सोने की अंगूठी औरंगाबाद के एक आभूषण दुकान में 23 हजार रुपये में बेचा

पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी युवक ने बताया कि सोने की अंगूठी को उसने बिहार के औरंगाबाद जिले के दाऊद नगर स्थित एक आभूषण दुकान में 23 हजार रूपए में बेच दिया है। हालांकि, बाकी के चोरी किए गए दो आभूषण आरोपी के पास ही थे। आरोपी को पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नामकुम में 2.6 किलो गांजा के साथ महिला सहित दो तस्कर धराए, जेल

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

रांची पुलिस ने गांजा की तस्करी के आरोप में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आये आरोपियों में उज्जवल खलखो और सुजाता देवी शामिल है। एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त जानकारी मिली थी कि स्कूटी के जरिए बुंडू से रांची गांजा की तस्करी किया जा रहा है। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद एसएसपी किशोर कौशल ने ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में टीम गठित कर मामले का जांच करने का आदेश दिया। जिसके बाद नामकुम इलाका में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। वाहन चेकिंग के दौरान स्कूटी सवार भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने

जानकारी देते ग्रामीण एसपी

खदेड़ कर पकड़ लिया। स्कूटी सवार व्यक्ति की तलाशी लिया गया तो पुलिस ने 2.6 किलोग्राम गांजा बरामद किया। इसके अलावा एक स्कूटी और दो मोबाइल जब किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

वार्ड-53 की बड़ी आबादी निगम क्षेत्र की वोटर हैं, होल्डिंग टैक्स भी देते, लेकिन निगम की सुविधाओं से वंचित

बसारगढ़ नगर निगम के नक्शे से गायब, बड़ा सवाल यहां के लोग कहां के निवासी?

द फोटोन न्यूज संवाददाता, रांची।

रांची नगर निगम सिटीजन फोरम की बैठक रविवार को वार्ड-53 अंतर्गत बसारगढ़ के ओमप्रकाश नगर, रोड नंबर-03 स्थित सावित्री सदन में संयोजक दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में हुई। जिसमें क्षेत्रवासियों ने क्षेत्र से जुड़ी अनेक समस्याओं को सामने रखा। जिसमें प्रमुख रुप से बसारगढ़ के ओमप्रकाश नगर के रोड नंबर 03 और 04 तक ही रांची नगर निगम की सुविधाओं का बहाल होना बताया गया और रोड नंबर-04 से लेकर रोड नंबर-19 तक के लोगों ने बताया कि वह रांची नगर निगम की वोटर लिस्ट में है और वार्ड

बैठक में शामिल रांची नगर निगम सिटीजन फोरम के संयोजक दीपेश कुमार निराला व अन्य ● फोटोन न्यूज

पार्षद, मेयर, और डिप्टी मेयर का चुनाव करते हैं। नियमित रूप से होल्डिंग टैक्स दे रहे हैं। कई लोगों ने अपना गृह निर्माण यहां रांची नगर निगम से नक्शा पास कराकर कराया है, बावजूद इसके अब रांची नगर निगम इनको अपना निवासी नहीं मान रहा है। इस क्षेत्र को रांची नगर निगम क्षेत्र से बाहर माना जा रहा है। यहां रांची नगर निगम कोई जन सुविधा बहाल नहीं कर रहा है, जिस कारण यह लोग सभी सुविधाओं के लिए रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार (आरआरडीए) पर निर्भर हैं। जिस कारण यहां के लोग नाली की समस्या, जलजमाव की समस्या, स्ट्रीट लाइट का ना होना, चौड़ी सड़क का ना हो पाना, पाइप लाइन बिछ जाने के बावजूद सप्लाई पानी का नहीं आना, कूड़ा-करकट का उठाव नहीं होना, जैसी दर्जनों समस्याओं से जूझ रहे हैं।

580 घर, 1535 वोटरों की संख्या

बसारगढ़ में 580 से अधिक घरों का निर्माण हुआ है और यहां 1535 लोग वोटर हैं, लेकिन यह लोग जन सुविधाओं से महरूम हैं और नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

उक्त बैठक में संयोजक दीपेश कुमार निराला के साथ कोर कमेटी सदस्य रेणुका तिवारी, विवेक कुमार महारथी, प्रमोद कुमार जयसवाल, सुशील क्रांतिकारी, विनोद जैन बेगवानी, उमाशंकर सिंह, मनोज कुमार मिश्रा के साथ-साथ प्रीति कुमार सिंह, जनार्दन कुमार वर्मा, देवीलाल, राहुल कुमार ओझा, नीरज कांत, रविंद्र कुमार सिंह, मनोज कुमार, गोपाल कुमार सिंह, आशीष रंजन, कृष्ण कुमार, प्रतीक कुमार, कुमुद कुमार, चंदन कुमार, सुनील कुमार, किजु बर्मन, राजेश पवन, प्रशांत कुमार, नरेंद्र कुमार सिंह, विनोद कुमार, श्रीराम सिंह, तारकेश्वर झा, नीतीश सिंह, महेंद्र कुमार, आनंद भानु सिंह, मृत्युंजय कुमार सिंह, उपेंद्र शर्मा, रितेश तिवारी, अमरेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, ब्रजेन्द्र कुमार सिंह, विमल कुमार, पिरवा कच्छप, विकास कुमार सिन्हा, मनोज कुमार मिश्रा, संजय कुमार दुबे, पुरुषोत्तम पाठक, जयशंकर पाठक, शशि कुमार सिन्हा, मिली वर्मा, मृत्युंजय शर्मा, गोलू शर्मा, रामप्रवेश सिंह, विद्यानंद, मृत्युंजय सिंह, पवन पाण्डेय, धीरेंद्र कुमार सिंह, रंजीत मिश्रा, इत्यादि उपस्थित हुए।

मंच का संचालन रेणुका तिवारी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सुशील क्रांतिकारी ने किया।

पर्यटक स्थल पतरातू डैम पर दो गुटों के बीच खूनी संघर्ष, दर्जनों लोग हुए घायल

संवाददाता, रामगढ़।

झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल पतरातू डैम रविवार को जंग का मैदान बन गया। यह ग्राहकों को नाव में बैठाने को लेकर हुए विवाद में दो गुट आपस में भीड़ गए। दोनों गुटों के बीच हुए खूनी संघर्ष में कुल दो दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पतरातू पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और हालात काबू पाया।

मारपीट करते दोनों गुटों के लोग। ● द फोटोन न्यूज

घटना के संबध बताया जाता है कि नावीक संघ जियाउल और महफूज के दो गुटों के लोग डंडों के साथ आपस में भिड़ गए और एक दूसरे को सर पर प्रहार किया। घंटों चले हो हंगामे और मारपीट में दो दर्जन से ज्यादा नाविक संघ के लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि घूमने आए पर्यटक माहौल को देखते हुए समय से पहले वहां से भाग निकले।

घायलों को स्थानीय अस्पताल साई नर्सिंग होम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू में भर्ती कराया गया। सभी घायल लोगों को सर पर गहरी चोट लगी है। पुलिस घटनास्थल पहुंचकर जांच कर रही है। वहीं नाविक संघ के बयान अनुसार शनिवार रात में ही पतरातू पुलिस को सूचना दी गई थी डैम परिसर में तनाव का माहौल है। कभी भी यहां विवाद उत्पन्न हो सकता है।

जानकारी अनुसार एक नाविक संघ ग्रुप अपने स्थान को ट्रांसफर कर दूसरे जगह नाविक संघ लोगों के बीच नाव स्टीमर लगाने को लेकर विवाद बढ़ा। देखते देखते विवाद में लोग खून के प्यासे हो गए। खूनी संघर्ष में पांच लोगों को रिम्स रांची रेफर किया गया है।।

डैम में नाविकों के बीच मारपीट में महिला और पुरुष मिलाकर कुल 24 घायल हुए। घायलों में प्रियंका कुमारी (20), यशोदा देवी (52), दिलावर अंसारी (23), लोकमान अंसारी, इकराम उल अंसारी (25), गुड़िया कुमारी (22), तबरेज अंसारी (22), शबनम खातून (27), रीता कुमारी (23), सबीना खातून (35), सुनीता देवी (30), सरिता देवी (34), जीनत परवीन (35), इम्तियाज अंसारी (32), मेहरून्निसा (26), मोहम्मद इस्लाम अंसारी (40), बंधन महतो (45), रेशमा खातून (42), संगीता देवी (25) और सुनीता देवी (35) शामिल हैं। पांच की स्थिति गंभीर होने के कारण आरएमसीएच भेज दिया गया इनमें प्रियंका कुमारी, जसोदा देवी, दिलावर अंसारी, लुकमान अंसारी और जिन्नत परवीन शामिल हैं।

ईंट भट्ठा कारोबारी के आठ ठिकानों पर एनआइए का छापा

एक पिस्टल, छह जीवित कारतूस, मोबाइल और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद

संवाददाता, लोहरदगा।

भाकपा माओवादी संगठन से साठगांठ तथा टेरर फंडिंग की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की आठ टीमों ने कुड़ू के ईंट भट्ठा कारोबारी राजू कुमार के आठ ठिकानों पर छापा मारा है। छापे में ईंट भट्ठा से एक पिस्टल, छह जीवित कारतूस, छह मोबाइल और कई बैंकों की पासबुक व कई महत्वपूर्ण दस्तावेज हाथ लगे हैं। एनआईए ने यहां से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

बताया गया कि एनआईए की टीम पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में शनिवार देर रात्रि लगभग दो बजे कुड़ू पहुंची। अधिकारियों ने छापामारी के लिए आठ टीमों का गठन किया। इसमें लोहरदगा के अभियान एएसपी व जिले के विभिन्न थाना की पुलिस शामिल थी। आठ टीमों ने कुड़ू के होटल तथा मकान में लगभग छह घंटे छापामारी की। इसके अलावा एनआईए की टीमों ने कुड़ू के दो तथा चंदवा के एक ईंट भट्ठा में सात घंटे तथा थाना क्षेत्र के विश्रामगढ़ स्थित दो मकानों में पांच घंटे तक कार्रवाई। मकान से एनआइए ने जमीन तथा वाहन खरीदने से संबंधित कागजात, विभिन्न बैंकों से लाखों के लेन-देन का ब्यौरा मिला। ईंट भट्ठा से एक नाइन एमएम का पिस्टल, छह जीवित कारतूस तथा आधा दर्जन मोबाइल जब्त किए। बताया गया कि इन मोबाइल में उग्रवादियों से बातचीत का खुलासा हुआ है। एनआईए ने विभिन्न बैंकों से लाखों के लेन-देने से संबंधित बैंक पासबुक, जमीन के कागजात तथा कई महत्वपूर्ण दस्तावेज हाथ लगे हैं। अधिकारियों ने एक युवक को हिरासत में लिया है।

दरअसल, चंदवा थाना क्षेत्र के लुकुइया में घटित उग्रवादी घटना तथा लोहरदगा के पेसरार इलाके में उग्रवादियों के खिलाफ पुलिस के चलाए गए अभियान डबल बुल में एनआइए को कई इनपुट मिले थे। इसमें उग्रवादियों को सरंक्षण देने से लेकर उग्रवादियों को मिलें लेवी की राशि का इस्तेमाल करने का इनपुट शामिल हैं। एनआईए ने छापामारी के संबंध में आधिकारिक रूप से कुछ भी बताने से इंकार कर दिया है। इससे पहले भी ईंट भट्ठा कारोबारी राजू कुमार को एनआइए की टीम दो बार हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है।

मंडा पूजा को लेकर कुसियारा में स्थानीय ग्रामीणों की बैठक, कमेटी का हुआ गठन

भुरकुंडा (रामगढ़)

मंडा पूजा धूमधाम से मनाने को ले रविवार को कुसियारा मंदिर प्रांगण में स्थानीय ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में मंडा पूजा की तैयारियों पर चर्चा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि आगामी 28-29 मई को मंडा पूजा धूमधाम एवं श्रद्धाभाव से मनाया जायेगा।

पूजा की सफलता को ले कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष कुरसे मुखिया संदीप उरांव, सचिव निर्मल महतो, कोषाध्यक्ष रामश्याम सिंह, उपाध्यक्ष सूरज जसवाल, बिरजू मुंडा व करण महतो, सह कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह, सयोजक अजित महतो, मोहित महतो, कृष्णा उरांव, रोहन मुंडा, धनेश्वर मुंडा व अनिल महतो, संरक्षक हरकनाथ महतो, केतर महतो, सुनील उरांव, हरेंद्र उरांव, जोशीलाल महतो व मनोज महतो, संगठन सचिव अशोक महतो, राजू महतो, विष्णु ठाकुर व बिनोद उरांव, मिडिया प्रभारी रामकुमार महतो, सुरक्षा प्रभारी भरत लिंडा, रघु उरांव, जितेन्द्र उरांव, गणेश करमाली, राजेश महतो व भरत महतो, बजनिया प्रभारी रघुनाथ महतो व बैजनाथ महतो, पूजा सामग्री संचालन होरीलाल मुंडा व मेघनाथ मुंडा आदि शामिल थे।

अदाणी के गोड्डा स्थित पावर प्लांट से बांग्लादेश को बिजली की सप्लाई शुरू

संवाददाता, गोड्डा।

अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की 2७800 मेगावाट में से 800 मेगावाट की पहली इकाई ने बांग्लादेश को 748 मेगावाट बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी है। यह लिक्विड फ्यूल से उत्पन्न महंगी बिजली की जगह लेगा और खरीदी गई बिजली की औसत लागत को कम करेगा। गोड्डा पावर, बांग्लादेश के उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

झारखंड जिले के गोड्डा में अपनी पहली 800 मेगावाट की अल्ट्रा-सुपर-क्रिटिकल थर्मल पावर जनरेशन यूनिट के चालू होने की घोषणा की है और 748 मेगावाट बिजली के साथ बांग्लादेश की आपूर्ति शुरू कर दी है। गोड्डा से

अल्ट्रा-सुपर-क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट। ● द फोटोन न्यूज

आपूर्ति की जाने वाली बिजली पड़ोसी देश की स्थिति में काफी सुधार करेगी जैसे कि यह लिक्विड फ्यूल से उत्पन्न महंगी बिजली की जगह लेगी, जिससे खरीदी गई बिजली की औसत लागत में कमी आएगी।

अदाणी पावर लिमिटेड के सीईओ एसबी. ख्यालिया ने कहा कि गोड्डा पावर प्लांट भारत-बांग्लादेश के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों में एक रणनीतिक संपत्ति की तरह है। यह बांग्लादेश में बिजली की आपूर्ति को आसान करेगा, जिससे इसके उद्योग और इकोसिस्टम अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। यह भारत और पूरे दक्षिण-पूर्व क्षेत्र में स्थापित सबसे कुशल और पर्यावरण के अनुकूल थर्मल पावर प्लांट होने जा रहा है और

लातेहार में 45 क्विंटल अफीम का डोडा बरामद, एक गिरफ्तार

संवाददाता, लातेहार।

लातेहार पुलिस ने चंदवा थाना क्षेत्र में एनएच 75 पर छापामारी कर एक ट्रक से लगभग 45 क्विंटल अफीम का डोडा बरामद किया। बरामद डोडा की कीमत लगभग 1.50 करोड़ रुपए है। डोडा रांची- गुमला के जंगली इलाकों से ट्रक पर लोड होकर राजस्थान ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इस दौरान ट्रक का चालक राधेश्याम बिश्नोई को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार चालक राजस्थान के गंगानगर का रहने वाला है।

रविवार को प्रेस वार्ता करते हुए एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि लातेहार एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची से एक ट्रक लातेहार की ओर आ रही है,

जानकारी देते एसडीपीओ संतोष कुमार मिश्र व बरामद अफीम का डोडा। ● द फोटोन न्यूज

जिसमें भारी मात्रा में मादक पदार्थ लोड है। इस सूचना के बाद पुलिस की एक टीम ने छापामारी आरंभ की। इस दौरान रांची से आ रहे वाहनों की जांच भी आरंभ की गई ,जिसमें उक्त ट्रक को भी पकड़ा गया। ट्रक की जांच के दौरान उसमें लोड लगभग 45 क्विंटल डोडा को जप्त कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार ट्रक चालक से पूछताछ के दौरान पता चला कि ट्रक राजस्थान जा रही थी। उन्होंने कहा कि ट्रक चालक से पूछताछ के दौरान पुलिस को कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हुई है, जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

इमली तोड़ने के विवाद में एक की हत्या, एक घायल

संवाददाता, खूंटी।

पेड़ से इमली तोड़ने जैसे मामूली विवाद में तोरपा थाना खेत्र के अंगराबारी गांव में रविवार एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में कुद लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार दोपहर इमली तोड़ने को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर लाठी-डंडो और धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया।

इस घटना में अंगराबारी गांव के संजय भोक्ता (45) की मौत हो गई, जबकि उसके चचेरे भाई दुखू भोक्ता (35) गंभीर रूप से घायल हो गया। दोपहर लगभग 12 बजे हुई इस घटना की सूचना मिलते ही तोरपा के पुलिस इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह और थाना प्रभारी दीपक कुमार तुरंत अंगराबारी पहुंचे और गंभीर रूप से घायल दोनों भाइयों को इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा।

सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने संजय भोक्ता को मृत घोषित कर दिया। इस घटना में संजय के चचेरे भाई दुखु भोक्ता के सिर में भी गंभीर चोट लगी है। उसका इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। घायल दुखू भोक्ता ने बताया कि उन लोगों का गांव में 13 एकड़ 28 डिसमिल की एक पुश्तैनी जमीन है। लगभग दो वर्ष पूर्व उनकी इस पुश्तैनी जमीन पर गांव के ही खुदू प्रधान और उनके परिवार के लोग जबरदस्ती अपना दावा करने लगे। इसे लेकर खुदू प्रधान से उसका विवाद चल रहा है।

रविवार को उन्हें यह जानकारी मिली की उनके उक्त पुश्तैनी जमीन पर लगे इमली के पेड़ से खुदू प्रधान के परिवार के लोग इमली तोड़ रहे हैं। इस पर वे दोनों चचेरे भाई और उनकी पत्नी रीना देवी मौके पर पहुंचे और पेड़ से इमली तोड़ने का विरोध किया। इसी बात पर खुदू प्रधान के परिवार के लगभग एक दर्जन लोगों ने हरवे हथियारों के साथ उन लोगों पर अचानक से जानलेवा हमला कर दिया। संजय की मौत की खबर मिलते ही गांव के लोग उग्र हो गए। मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर अंगराबारी के पास रांची-सिमडेगा रोड को जाम कर दिया गया।

भुरकुंडा : रीवर साईड ग्रेस ऑफ जीसस चर्च में मना ईस्टर महोत्सव

भुरकुंडा (रामगढ़)।

रीवर साईड भुरकुंडा स्थित बुधबाजार गेस ऑफ जीसस चर्च में रविवार को ईस्टर महोत्सव मनाया गया। इस दौरान प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। जिसका संचालन पास्टर राजशेखर ने किया। प्रार्थना सभा में उपस्थित मुख्य अतिथि रांची अनुग्रह आश्रम के महानिदेशक डॉ. रामराज डेविड ने मसिही परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु यीशु हमसब प्राणियों के पाप से छुटकारा के लिए इस धरती पर अवतरित होकर सेवा की।

प्रभु यीशु दया, करूण व प्रेम के सागर हैं। उनके निर्दोष होने पर भी उन्हें क्रूस पर चढ़ाकर मारकर गाड़ दिया गया। लेकिन तीरसे दिन वे जीवित हो उठें। उन्होंने हमलोगों को बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। प्रभु यीशु के बताए मार्ग पर चलना हमसबों का दायित्व है। प्रार्थना सभा के बाद भोज का भी आयोजन किया गया।

सात दिवसीय लोक नृत्य सह प्रस्तुति का हुआ समापन

झारखंडी संस्कृति को बचाने में संस्था का भी हाथ : सांसद

संवाददाता, रजरप्पा।

सांस्कृतिक कार्य निदेशालय पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार के सौजन्य से लोकनृत्य कार्यशाला सह प्रस्तुति का समापन समाहरणालय परिसर के टाउन हॉल में बड़े ही धूमधाम से हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि आलोक सिंह, राष्ट्रीय मानवाधिकार के अध्यक्ष अरुण कुमार मधेशिया, वैश्य समिति के अध्यक्ष डोमन प्रसाद गुप्ता, सचिव नरेंद्र गुप्ता, नगर

बाल कलाकारों के साथ उपस्थित संस्था के लोग। ● द फोटोन न्यूज

परिषद के उपाध्यक्ष मनोज महतो मौजूद रहे।

विधिवत तरीके से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ गणेश वंदना गीत में निवृता गुप्ता, सुष्मिता महंती ने नृत्य कर कार्यक्रम का शुभारंभ किय। गीत में आजम जी ने समा बांधा. इस कार्यक्रम के आयोजक कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था रामगढ़ के विक्रांत गुप्ता ने छऊ नृत्य कर लोगों को आश्चर्यचकित किया।

सात दिवसीय लोक नृत्य कार्यशाला में करीब 250 बच्चों ने कार्यशाला का लाभ उठाया। जिसमें रिकॉर्डिंग, झारखंडी डांस झूमर, संथाली छऊ नृत्य इत्यादि विधा में बच्चों ने खूब झूमा। वहीं मुख्य अतिथि ने कहा कि कर्णधार एक ब्रांड है यह संस्था सांस्कृतिक और सामाजिक दोनों है इस संस्था के बारे में मैंने पहले भी सुन रखा है कि झारखंड की संस्कृति को बचाने में कहीं ना कहीं संस्था का भी हाथ है। ऐसे प्रोग्राम होते रहना चाहिए। विक्रांत गुप्ता ने कहा कि हमारी संस्था 2014 से लगी हुई है और झारखंड सरकार की योजना में काम कर रही हैं। इससे पहले सनी परब और सुबह सवेरे जैसे कार्यक्रमों को रामगढ़ में उतारने का काम किया जिससे रामगढ़ के कलाकारों को एक अच्छा प्लेटफार्म के साथ-साथ आर्थिक मदद भी होती थी। वही कार्यक्रम का संचालन दीक्षा रघुनंदन साहू और अशोक शर्मा ने किया।

इस कार्यक्रम में संस्था के अनिल शर्मा गौतम सिंह, गौतम अग्रवाल, प्रकाश माली, रंजीत गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, मनोज विश्वजीत, सुदीप मिश्रा, आयुष कुमार, शोभा, लक्ष्मी आदि मौजूद थे।

कोयला से भरी मालगाड़ी दो हिस्से में बंटी, 35 मिनट रहा आवागमन बाधित

संवाददाता, मेदिनीनगर।

जिले के मोहम्मदगंज-सतबहिनी रेल स्टेशन के बीच रविवार को अप मालगाड़ी (संख्या 60050) कादल गांव के पास डगरा नामक स्थान पर दो हिस्से में बंट गई। खंभा संख्या 341/ 35 से लेकर खंभा संख्या 341/ 37 के बीच अलग हुए दोनों हिस्से खड़े रहे। मालगाड़ी के दोनों हिस्सों को जोड़ने में करीब 35 मिनट लगा, लेकिन इस बीच कादल गांव में समपार फाटक से आवागमन बाधित रहा।

मालगाड़ी के करीब 59 डिब्बों में कोयला भरा था। अंकोरहा स्टेशन स्थित एनटीपीसी में बिजली बनाने के लिये झारखंड के कोयला खदान से आपूर्ति की गई थी। ओवरलोड कोयला भरी मालगाड़ी मोहम्मदगंज-सतबहिनी रेल स्टेशन के बीच दो हिस्से में बंट गई। गार्ड सूर्यमणि, रेल फाटक कर्मी सत्यनारायण कुमार और ग्रामीण रामदेव महतो के संयुक्त प्रयास से अलग हुए डिब्बों को जोड़ने में करीब 35 मिनट लगा। इस बीच कादल गांव में रेल पटरी पर बने समपार फाटक से आवागमन बाधित रहा। साथ ही अप रेल पटरी पर परिचालन पूरी तरह ठप रहा।

दो हिस्से में बंटी मालगाड़ी। ● द फोटोन न्यूज

इधर, चालक शिवनाथ कुमार ने बताया कि इस रेल खंड के छिपादोहर और कादल गांव के समीप रेल पटरी पर चढ़ान के कारण ओवरलोड कोयला से भरी मालगाड़ी का दो हिस्से में बंट जाना आम बात हैं। चालक, गार्ड, रेल फाटक कर्मी और कादल गांव के ग्रामीणों की सूझ-बूझ से बड़ी रेल दुर्घटना होने से बच गयी।

ब्रीफ न्यूज

दावत-ए-इफ्तार में मांगी देश की अमन चैन और खुशहाली की दुआ

दावत-ए-इफ्तार में शामिल लोग। ● द फोटोन न्यूज

रांची : रहमानी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट परासटोली डोरंडा के द्वारा मकतब दिनियात परासटोली में रविवार को एक इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें बहुत सारे रोजेदारों के एलावा शहर रांची के गणमान्य लोग भी इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। रहमानी ट्रस्ट के चेयरमैन हाफिज मो0 मीकाईल रहमानी ने पुरी इंसानियत के लिए और मुख्य तौर पर अपने देश की भलाइ, उन्नती और अमन व शांती के लिए सामूहिक दुवा भी की। इफ्तार में शामिल शहर के मुख्य अतिथि विनोद कुमार सिंह ने कहा कि इस्लाम एक अच्छा धर्म है जो भाईचारगी और इन्सानियत की पैगाम देती है। पार्टी में हाजी मजहर पुर्व अध्यक्ष परासटोली कमेटी ने कहा के यह ट्रस्ट हमेशा से सभी धर्मों को एक दृष्टि और बिना भेद-भाव के अपने-अपने खिदमात को अंजाम देते आ रही है जो प्रशंसनीय बात है। इस अवसर पर वहाज उददीन, हाजी कलीम, हाजी तौहीद, डॉ एस एस सिहं, असगर हमीद और माजिद अहमद, मौलाना जिबरईल रहमानी व अन्य लोग शामिल हुए।

डाल्टनगंज स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान शुरू

मेदिनीनगर : धनबाद रेल मंडल के सहायक वाणिज्य प्रबंधक पंकज कुमार के निर्देश पर डाल्टनगंज स्टेशन के विभिन्न यात्री और एक्सप्रेस ट्रेनों में मिशन 70 हजार राजस्व हासिल करने को लेकर सीआईटी बीएम पांडेय के नेतृत्व में रविवार से टिकट चेकिंग अभियान शुरू किया गया है। सीआईटी ने बताया की टीम के सभी सदस्यों को निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए विशेष रणनीति के तहत चेकिंग अभियान शुरू किया है। उन्होनें बताया कि सहायक वाणिज्य प्रबंधक के निर्देश पर टीम के सभी ऊजार्वान सदस्यों ने अभियान शुरू कर दिया है।

सड़क हादसे में दंपति की मौत, पुत्र गंभीर

गिरिडीह : तिसरी थाना क्षेत्र के संत मेरी हाई स्कूल के सामने सड़क हादसे में शनिवार रात पति की मौके पर ही मौत हो गई । जबकि पत्नी ने रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल बेटे की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जाता है कि तिसरी थाना के पकड़ियाटांड़ निवासी बुद्धू टूडू, उनकी पत्नी लालमुनी सोरेन और उनका बेटा संजुल हांसदा एक ही बाइक पर सवार होकर श्राद्धकर्म में शामिल होने गुमगी के पंडरिया जा रहे थे। तभी संत मेरी हाई स्कूल के पास विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतना भयावह था कि बुधू टुडू की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी और बेटा गंभीर रुप से घायल होकर सड़क पर ही अचेतावस्था में पड़े रहे। घटना के बाद ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना फौरन 108 एंबुलेंस सेवा और तिसरी पुलिस को दी। पुलिस रात में ही मॉ बेटे के इलाज के लिए अस्पताल भेजा लेकिन मां ने भी रास्ते में दम तोड़ दिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

रामगढ़ जिले के 12 पदाधिकारियों का तबादला, रामगढ़ थाना प्रभारी बने रोहित

रामगढ़ : जिले में पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे ने जिले के 12 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। रोहित कुमार महतो को एक बार फिर रामगढ़ थाना का प्रभारी बनाया गया है। एसपी के आदेश में इंस्पेक्टर सुशील कुमार को पतरातू सर्किल प्रभारी, विपिन कुमार को मांडू सर्किल प्रभारी, रविंद्र कुमार को यातायात थाना प्रभारी बनाया गया है। सब इंस्पेक्टर विनय कुमार को कुज्जू ओपी प्रभारी, रघुनाथ सिंह को पतरातू थाना प्रभारी, अनंत कुमार सिंह को बरलंगा थाना प्रभारी, अवधेश कुमार को मांडू थाना प्रभारी, बलवंत दुबे को वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी, दुगार्शंकर मंडल को डीसीबी शाखा कार्यालय प्रभारी और राजदीप कुमार को भदानी नगर ओपी प्रभारी बनाया गया है।

मुनगा के पेड़ से गिरकर युवक की मौत

कोडरमा : जिले के कोडरमा थाना अंतर्गत बदडीहा में मुनगा के पेड़ से गिर कर एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान संजय कुमार वर्णवाल (45 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया गया कि संजय रविवार दोपहर अपने ही घर के पास मुनगा के पेड़ पर चढ़कर सिटी तोड़ने के दौरान अचानक नीचे गिर गया। स्थानीय लोगों ने उसे कोडरमा सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना पुलिस को मिलने के बाद में पुलिस ने पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पूर्व कांग्रेसी रसिक लाल पासवान के निधन पर शोकसभा

भुरकुंडा (रामगढ़): पूर्व कांग्रेसी रसिक लाल पासवान के आकस्मिक निधन पर रविवार को पासवान कल्याण समिति द्वारा भुरकुंडा पंचायत भवन में शोकसभा का आयोजन किया गया। बताया गया कि स्व . रसिक लाल पासवान समाजसेवी और पूर्व कांग्रेसी नेता थें। रसिक लाल के निधन से पासवान समाज में शोक की लहर है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक वयक्त करने वालो में पूर्व जिला पार्षद अर्चना देवी, भुरकुंडा मुखिया अजय पासवान, पासवान कल्याण के संरक्षक बीरेंद्र पासवान, संतोष पासवान, सुरेंद्र पासवान, बिजेंद्र पासवान सहित कई लोग उपस्थित थे।

मंडा को लेकर बैठक, समिति का हुआ गठन

रांची : कांके प्रखंड के बोड़ेया पंचायत में मंडा सफलता के लिए एक बैठक कि गई। बैठक कि अध्यक्षता पंचायत के मुखिया सोमा उरांव की अध्यक्षता में की गई। बैठक में कोविड19 के बाद इस वर्ष भव्य रूप मंडा पूजा बनाने पर विचार विमर्श किया गया। पूर्व निर्धारित वैशाख पूर्णिमा के दिन इस वर्ष का मंडा पूजा का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया है। अगामी 17 अप्रैल दिन सोमवार को देवी का आगमन तहत पाठ निकालना जायेगा। 5 मई 2023 दिन शुक्रवार को फूलखुंदी एवं छऊ नृत्य का आयोजन किया जाएगा वही 6 मई दिन शनिवार को झूलन एवं आर्केस्ट्रा का प्रोग्राम होगा। इसके अलावा मंडा पूजा को लेकर एक समिति का गठन किया गया है।

कांके थाना के नए थाना प्रभारी का किया स्वागत

रांची : भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन, रांची के सदस्य रविवार को कांके थाना के नए प्रभारी आभास कुमार जी से मिले और गेंदा पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। छात्र संगठन के सदस्यों ने नए थाना प्रभारी का स्वागत करते हुए कहा कि छोटे-छोटे मामले में तुरंत प्राथमिकी न कर समझौता का प्रयास किए जाएं। थाना प्रभारी ने कहा कि क्षेत्र में प्रेम सौहार्द एवं शांति के लिए पुलिस प्रशासन एवं पब्लिक का सामंजस्य जरुरी है। पुलिस आम लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर है। मौके पर पूर्व उपाध्यक्ष, रांची विश्वविध्यालय छात्र संघ हुसैन अंसारी, जिलाध्यक्ष अमन अहमद, महासचिव इमरान हाशमी, आशिक अंसारी आदि छात्र उपस्थित थे।

दावत-ए-इफ्तार में शामिल हुए एसएसपी, ग्रामीण एसपी सहित अजय प्रशासनिक पदाधिकारी

रांची : अप्रैल 2023 को झारखंड प्रदेश जमीअतुल कुरैश के अध्यक्ष मुजीब कुरैशी के द्वारा लोअर बाजार थाना क्षेत्र के सुल्तान कॉलोनी में भव्य दावत ए इफ्तार का आयोजन किया गया। इस मौके पर सभी आए अतिथियों को अध्यक्ष मुजीब कुरैशी ने टोपी और साफा ओढ़ा कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसएसपी किशोर कौशल, ग्रामीण एसपी नौशाद आलम, ट्रैफिक एसपी हारिस बिन जमॉ , ट्रैफिक पुलिस थाना प्रभारी अहमद अली , खिजरी विधायक राजेश कच्छप सहित अन्य का स्वागत किया गया। इस मौके पर श्री महावीर मंडल पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, जय सिंह यादव, कायस्थ महासभा सह अधिवक्ता डॉक्टर प्रणव कुमार बाबू, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनय सिन्हा दीपू, राजेश छोटू, राउफ, महताब, अंजुमन इस्लामिया रांची के सचिव डा मोहम्मद तारिक, डॉक्टर होदा, आदिल कुरैशी, बारीक, गुलाम जावेद, फिरोज कुरैशी, गुलाम पप्पू, फरहाद कुरैशी, मौलाना मंजूर हसन बरकाती, पत्रकार परवेज कुरैशी, मुन्ना सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं का परिचयात्मक बैठक आयोजित

औरंगाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा के अध्यक्षता में जिला कायार्लय में सभी नवनियुक्त भाजपा कार्यकताओं का परिचयात्मक बैठक आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।सभी कार्यकताओं को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मानित किया गया।इस बैठक में मुख्य रूप से सांसद सुशील कुमार सिंह एवं विधान पार्षद दिलीप सिंह उपस्थित रहे।सांसद ने सभी लोगो से परिचय प्राप्त किया एवं संबोधन करते हुए कहा कि आप सभी के ऊपर पार्टी ने भरोषा जताते हुए महत्वपूर्ण दायित्व का जिम्मेवारी सौंपा है। सभी कार्यकर्ता को पार्टी के लिए मजबूती से कार्य करना है।भाजपा सभी दलों से अलग है।यह राष्ट्रीय विचारधारा को मानने वाली विश्व का सबसे बड़ा पार्टी है।इस पार्टी में सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिया जाता है।यह कार्यकर्ताओ की पार्टी है।जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि सभी कार्यकताओं ने यह संकल्प लिया है कि आगामी लोकसभा और बिहार विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे।सभी लोग 8980808080 पर मिस्ड कॉल देकर भाजपा का सदस्य बनना है। 7820078200 पर मिस्ड कॉल कर सरल ऐप डाऊनलोड करना है।14 अप्रैल तक सेवा सप्ताह का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसे सभी कार्यकताओं के द्वारा सभी बूथों पर किया जा

रहा है।इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सतीश सिंह,सिद्धनाथ मिश्रा,सारिका शेखर,वैभव विशाल उर्फ टैगोर,जुलेखा खातून और दीपक उपाध्याय,जिला महामंत्री रवि शंकर शर्मा,मुकेश कुमार सिंह,संजय गुप्ता,जिलामंत्री धर्मेन्द्र शर्मा,विजेन्द्र चंद्रवंशी,संगीता प्रसाद,आशिका सिंह,रेखा पासवान कार्यालय मंत्री रंजीत कुशवाहा जिला प्रवक्ता सिंह,सुजीत गुप्ता रूपेश कुमार,डॉ दिनेश कुमार वर्मा,कृष्ण नंदन शर्मा,मनोज कुमार, राकेश पांडेय,रफीगंज ग्रामीण के सुबोध कुमार सिंह,सुरेन्द्र गुप्ता,संतोष कुमार साव,अरुण कुमार सिंह उपस्थित रहे।

बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पर्यावरण के अनुकूल ई-स्कूटी जरूरी : पूर्व स्वास्थ मंत्री

पटना। पटना में पेप्को सेल्स प्रा0 लि0 के अंतर्गत ग्रीव्स की एम्पियर ई-स्कूटी शोरूम का शुभारंभ रविवार को पटना बाईपास स्थित सिपारा पुल के नजदीक हुआ। पूर्व स्वास्थ मंत्री मंगल पाण्डेय, मेयर सीता साहू, उप मेयर रेशमी चन्द्रवंशी, दीघा विधायक डॉ संजीव चौरसिया और कंपनी की एमडी प्रिया प्रकाश ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया। पूर्व स्वास्थ मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पर्यावरण के अनुकूल ई-स्कूटी को बिहार वासियों को अपना कर इसको बढ़ावा देना चाहिये। वहीं ग्रीव्स इलेक्ट्रिक के स्टेट हेड सौरभ सिन्हा ने कहा कि 163 साल पुरानी यह भारतीय कम्पनी अपनी सभी गाड़ियों पर 34,500 की सब्सिडी मुहैया करवा रही है। पेप्को सेल्स के कार्यकारी निदेशक जय प्रकाश ने बताया कि पटना वासियों के लिए यह शोरूम सस्ते दामों में बहुत ही अच्छा उत्पाद मुहैया करा युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। मौके पर भाजपा युवा मोर्चा यंग प्रोफेशनल के प्रदेश संयोजक अनिकेत झा, कम्पनी के एरिया सर्विस मैनेजर अर्घ नाहा के अलावा नीरज, संजय, दिव्या, तूलिका, श्रेया, रिया, मनीषा अन्नू, राजीव आदि सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पंच सरपंच संघ ने चलाया कानूनी जागरूकता कार्यक्रम अभियान

अलौली। बिहार प्रदेश पंच सरपंच संघ के तत्वाधान में भिखारी घाट के बुढ़वा गांव में सामूहिक पंचायत एवं कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 40 धारा के अंतर्गत दीवानी फौजदारी मामले को सहज सुलभ पारदर्शी त्वरित न्याय हेतु विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पंच सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष किरण देव यादव, प्रखंड अध्यक्ष सरवन कुमार, भिखारी घाट के सरपंच आशुतोष कुमार, सरपंच प्रतिनिधि रामदयाल पासवान, पूर्व मुखिया पप्पू सिंह, ग्रामीण पंच कपिलेश्वर शाह, किशोरी सिंह, राम प्रताप सिंह, जय जय राम साह आदि दर्जनों लोगों ने भाग लिया। पंचायत में रामेश्वर साह, ब्रह्मदेव यादव, अरुण साह, मंटून शाह के जमीन संबंधी बरसों से लंबित मामले की सुनवाई की गई। सभी पक्षकारों का कागजात केवला वंशावली खतियान जमाबंदी रसीद का अवलोकन किया गया। साथ ही अमीन गवाह पक्षकारों का बयान ली गई। वहीं सरपंच गणों ने उपस्थित पंचों की सलाह ली एवं आपसी सहमति के आधार पर फैसला करने का निर्णय आगामी तिथि हेतु सुरक्षित रखा गया। सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि पंच सरपंचों का सामूहिक ग्राम कचहरी केंद्र अलौली का भवन एसडीओ द्वारा अन्य विभाग द्वारा अतिक्रमित करवा दिया गया है जिसके कारण खेत खलिहान धूप खुले आकाश के नीचे पंचायत करने को सरपंच गण विवश हैं। डीएम साहब के आश्वासन के बावजूद अभी तक सामूहिक ग्राम कचहरी भवन अलौली उपलब्ध नहीं कराने से पंच सरपंचों के बीच आक्रोश व्याप्त है। सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि आक्रोशित पंच सरपंच ब्लॉक परिसर में खुले आसमान के नीचे जमीन पर बैठकर चिलचिलाती धूप में महापंचायत का आयोजन विरोध स्वरूप करेंगे। कहा कि पंच सरपंच फिलवक्त गांधीगिरी तरीके से विरोध जता रही है, बहुत जल्द उग्र आंदोलन करने को विवश होंगे, जिसका जिम्मेदार जिला प्रशासन की होगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्य अंग वस्त्र एवं मोमेंटो से सम्मानित

औरंगाबाद : कालिका कितने संघ के प्रांगण में मां शक्ति राज्य समिति ने रामनवमी शोभा यात्रा का समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया। जिसमें संस्था के सदस्यों के द्वारा राम नवमी पूजा शोभा यात्रा का समीक्षा की गई इस बैठक का अध्यक्षता संस्था के संरक्षक रिंकू सिंह एवं संलाचन प्रेम गुप्ता ने की। इस बैठक में गरिमामई उपस्थिति के रूप में नगर परिषद के अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता जी, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह जी, वार्ड पार्षद रंजय अग्रहरि, समाजसेवी दीनदयाल जी अमित गुप्ता जी साथ में अन्य गणमान्य जन मौजूद थे। संस्था के सचिव चंदन गुप्ता जी के द्वारा शोभायात्रा में किए गए खर्च का कुल व्यौरा बैठक में प्रस्तुत की गई। संस्था के सदस्यों द्वारा सभी गणमान्य जनों का अंग वस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। संस्था के उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों के बीच अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर उनके कार्य की सराहना की गई। बैठक में सभी लोगों ने शोभा यात्रा की खूब सराहना की । बैठक में शामिल सभी लोगों ने एक स्वर में शोभायात्रा में शामिल अमरनाथ की मंदिर, राफेल एवं आतंकवादी के रूप में आए कलाकारों का लोगों ने सराहना किया। इस मौके पर संस्था के मुख्य सलाहकार बिंदु गुप्ता लड्डू गुप्ता मनीष गुप्ता एवं सदस्य गोल्डन गुप्ता सोनू गुप्ता संदीप गुप्ता उर्फ संडे शंकर गुप्ता सिकंदर मेहता रोशन मिश्रा रितिक मिश्रा अजीत कुमार विक्की कश्यप सहित अन्य सदस्य गन मौजूद रहें।

अमर शहीद मंगल पांडे का 166 वीं शहादत दिवस आयोजित

खगड़िया। देश बचाओ अभियान फरकिया मिशन, भाकपा माले के बैनर तले प्रथम स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद मंगल पांडे का 166 वीं शहादत दिवस भिखारी घाट पंचायत के खेत खलिहान में मनाया गया। इस अवसर पर इन के तैल चित्र पर पुष्पांजलि समर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई तथा कोटि-कोटि नमन किया गया। वहीं "शहीद मंगल पांडे अमर रहे, शहीदों तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे" नारों को बुलंद किया गया। भाकपा माले के जिला संयोजक सह अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि मंगल पांडे सच्चे अर्थों में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत, क्रांतिकारी देशभक्त, वीर सपूत, क्रांति के जनक, अदम्य साहसी थे। इनका जन्म 19 जुलाई 1827 ई को नगवा में हुआ था। इनके पिता का नाम दिवाकर पांडे था। इस क्रम में कई अंग्रेजों को इन्होंने गोली से भून दिया, जिसके कारण हंसते-हंसते फांसी को चुम कर 8 अप्रैल 1857 को शहीद हो गये। इन्हें फांसी देने में जल्लादों ने इंकार कर दिया था। इनका नारा "मारो फिरंगी को" आजादी की प्रथम लड़ाई को शंखनाद कर आगाज किया। श्री यादव ने कहा कि आज "भगाओ फासीवादी को" नारों को बुलंद करने की जरूरत है। इस अवसर पर सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष सरवन कुमार, भिखारी घाट सरपंच, प्रतिनिधि रामदयाल पासवान, पूर्व मुखिया पप्पू सिंह, कपिलेश्वर साह, मंटून साह, रामेश्वर सिंह, अरुण शाह, सुनील शाह, सेवानिवृत फौजी अनिल शाह, किशोरी सिंह, ब्रह्मदेव यादव, डॉ विवेक यादव राम प्रताप सिंह जय जय राम साह, मंजू देवी, सुशिला देवी आदि ने अमर शहीद मंगल पांडे के प्रति 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया एवं कोटि कोटि नमन किया।

औचक निरीक्षण से मंडल कारा में मचा हड़कंप

हालांकि एक भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं

औरंगाबाद। जिला पदाधिकारी, सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक, स्वप्ना जी मेश्राम के निदेर्शानुसार एसडीएम सदर एवं एसडीपीओ सदर के नेतृत्व में जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों की टीम द्वारा मंडल कारा, औरंगाबाद का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान मंडल कारा के सभी कैदी वार्ड, महिला वार्ड, किचन वार्ड, अस्पताल, शौचालय इत्यादि की जांच की गई। निरीक्षण के समय कोई भी आपत्तिजनक वस्तु नहीं बरामद की गई। औचक निरीक्षण के दौरान बीडीओ औरंगाबाद कुमार रविराज, बीडीओ नबीनगर देवानंद कुमार सिंह, सीओ मदन पुर, सीओ नबीनगर, सीओ कुटुंबा, सीओ देव, राजस्व अधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी

एवं लगभग 70 पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के शासनकाल में बढ़े रोजगार के अवसर

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि पीएम मोदी के शासनकाल में हर क्षेत्र में रोजगार और नौकरियों के अवसर बढ़े हैं। पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में लाखों युवाओं को रोजगार मिले हैं। श्री यादव ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने देश में युवाओं के रोजगार और नौकरी के लिए दूरदृष्टि नहीं अपनायी। मोबाइल और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान पर 'मेड इन इंडिया' देखने के लिए आंखें तरस जाती थीं। लेकिन, अब स्थिति काफी बदल चुकी है। मोबाइल सहित दूसरे उपकरणों का निर्माण भी भारत में हो रहा है। इससे लोगों को रोजगार और नौकरियां भी मिल रहीं हैं। श्री यादव ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में देश में मोबाइल निर्माण में 1,50,000 तक नयी नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है। शीर्ष मोबाइल निमार्ता भारत में बड़े पैमाने पर हायरिंग की योजना बना रहे हैं।

टीबी मुक्त पंचायत की लोगों ने ली शपथ

सीतामढ़ी। प्रधान मंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान तहत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर लगमा के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रणव कुमार द्वारा शनिवार को आम सभा का आयोजन पंचायत भवन लगमा, डुमरा में किया गया। इस आम सभा का उद्देश्य प्रधान मंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में जनजागरूकता फैलाना तथा लोगों को टीबी सम्बंधित जानकारी देना है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रणव कुमार द्वारा आम लोगों को टीबी मुक्त लगमा पंचायत बनाने के लिए सहयोग देने के लिए सपथ दिलाया गया। सबके सहयोग से ही अपने क्षेत्र को सबसे पहले टीबी मुक्त कराना ही प्रणव कुमार, सीएचओ का लक्ष्य है। टीबी सम्बंधित जानकारी देते हुए प्रणव कुमार ने बताया कि टीबी से मुक्ति पाने का बस एक ही रास्ता है समय पर स्क्रीनिंग कर उपचार किया जाए तो टीबी ठीक हो सकता है और ईलाज के दौरान सरकार द्वारा चलाई जा रही निश्चय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को उनके बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के मध्यम से प्रतेक माह 500 रूपया भी दिया जाता है इसके लिए मरीज को अपना आधार कार्ड तथा बैंक खाते डीटेल कार्यालय में जमा कराना होता है। और साथ ही साथ उनके उपचार में सहयोग प्रदान करने वाले को भी ईलाज पुरा होने पर तथा किसी नए रोगी की खोज करने पर भी 500 रुपया डीबीटी के माध्यम से दिया जाता है। सीतामढ़ी जिला के सीडीओ डॉ मुकेश कुमार के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम में काफी तेजी से कार्य किया जा रहा है जिसमे सभी कर्मी दिन रात अपनी सेवा लोगों तक पहुंचा रहे हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डुमरा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ धनंजय कुमार के द्वारा भी टीबी के रोकथाम के लिए समय समय पर सभी कर्मियों के साथ बैठक कर रिपोर्ट लिया जाता रहा है और आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाता है। आज के आम सभा में ग्राम पंचायत राज लगमा के मुखिया मौसमी रानी तथा उनके पति आलोक कुमार एवम लगमा पंचायत के वॉर्ड मेंबर्स, आशा कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए।

डीएम ने की निमार्णाधीन आवासीय जीएनएम एवं पैरामेडिकल पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट का निरीक्षण

औरंगाबाद। जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा सदर अस्पताल के निकट निमार्णाधीन आवासीय जीएनएम एवं पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया गया। गौरतलब हो कि उक्त भवन का निर्माण 20.48 करोड़ की लागत से सदर अस्पताल के दूसरी ओर बीएमएसआईसीएल के माध्यम से किया जा रहा है। विदित है कि जीएनएम एवं पैरामेडिकल इंस्टिट्यूट का निर्माण 2 साल के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य था जिसके अनुसार कार्य समाप्ति की तिथि 06 अक्टूबर 2023 है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात इंस्टिट्यूट में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं यथा जीएनएम, एलटी एवं अन्य पैरामेडिकल प्रशिक्षु सदर अस्पताल में प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सीय कार्य में सहयोग भी प्रदान करेंगे जिससे सदर

अस्पताल में स्किल्ड पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या एवं उपचार की गुणवत्ता को भी बढ़ाया जा सकेगा। इसके निर्माण से सदर अस्पताल, औरंगाबाद के प्रबंधन एवं चिकित्सीय व्यवस्था में अपेक्षित सुधार होगा। उक्त भवन में मुख्य तौर पर 3 भवन बनने हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा नक्शे के अनुसार सभी भवनों में हो रहे कार्य की भी जांच की गई। जिला पदाधिकारी द्वारा भवन के प्रत्येक हिस्से के कार्य को देखा और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कहा गया। साथ ही सिविल सर्जन को लगातार भ्रमण करने एवं कार्य की गति बनाए रखने के लिए निदेशित किया गया।

शिक्षा और विधिक अधिकार से आदिवासी होंगे सबल

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के बैनर तले मध्य विद्यालय पंडरिया केताकी देव में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता पैनल अधिवक्ता राघवेन्द्र तिवारी ने किया। संचालन पारा विधिक स्वयं सेवक धमेंद्र कुमार ने किया। पैनल अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि आज का विषय था आदिवासी के अधिकारों की संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवाएं से सम्बंधित नालसा योजनाएं 2015, पैनल अधिवक्ता ने बताया कि आजादी के बाद भारतीय संविधान ने जनजातीय लोगों को विशेष दर्जा देने के लिए बहुत से प्रावधान अपनाया तथा सासंद ने विभिन्न रक्षात्मक कानून बनाकर उनके हितों को सुरक्षित रखने के लिए सजग प्रयास किया है और उन्हें आरक्षण और शिक्षा के माध्यम से समाज के सभी वर्गों से जोड़े रखने का प्रयास जारी हैं गरीबी उन्मूलन, निरक्षरता उन्मूलन का कोशिश हो रही है, पैनल अधिवक्ताओं के माध्यम से प्रचार प्रसार कर विधिक अधिकार, सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने का प्रयास हो रहा है और यह भी कोशिश हो रही है कि झुठे केस में कोई आदिवासी न फंसे और उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो, अनुसूचित जनजाति एवं परम्परागत वन निवासी एक्ट, अत्याचार निवारण एक्ट,भु अर्जन, पुनर्वास, प्रतिकर एक्ट और भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का लाभ दिलाया जाएगा। इस अवसर पर बहुत संख्या ग्रामीण उपस्थित थे।

सांसद ने की रेल मंत्री से रेल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की निदान की मांग

औरंगाबाद। औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार सिंह भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से दिल्ही में मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र एवं जिले के रेल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर पूर्व में रेलगाड़ी के ठहराव के लिए किए गए। माँग से संबंधित एवं अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लोकसभा क्षेत्र के अनुग्रह नारायण रोड, रफीगंज एवं गुरारू एवं जिले के नबीनगर स्टेशन का चयन हुआ है। जिसके तहत स्टेशन पर कई तरह के

विकास कार्य, आधुनिकीकरण, स्टेशन विकास अभियान के तहत कार्य होना है। इसके अलावा और भी कई मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा किया। रेल मंत्री के द्वारा आश्वासन मिला कि जल्द ही इन सभी बातों पर विशेष रूप से ध्यान देते हुए एवं रेलगाड़ी ठहराव के कार्य को पूर्ण किया जाएगा। मौके पर गया के पूर्व जिलाध्यक्ष धनराज शर्मा उपस्थित रहे।

कमाल परवेज बने युवा हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष : हम

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से०) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार सरकार में अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन के निर्देश पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडेय ने कमाल परवेज को हम युवा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है । यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अमरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने दी। कमाल परवेज को युवा प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर पार्टी के

राष्ट्रीय महासचिव टिकारी विधायक डॉ० अनिल कुमार, बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह सिकंदरा विधायक प्रफुल्ल मांझी, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्यामसुंदर शरण, बिहार संगठन प्रभारी राजन सिद्दीकी, नीलेश सिंह, गीता पासवान, ईं सैफुद्दीन, संजर आलम, रविंद्र शास्त्री, अनिल रजक आदि हम नेताओं ने बधाई दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं का परिचयात्मक बैठक आयोजित

औरंगाबाद। भाजपा जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा के अध्यक्षता में जिला कायार्लय में सभी नवनियुक्त भाजपा कार्यकताओं का परिचयात्मक बैठक आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।सभी कार्यकताओं को अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मानित किया गया।इस बैठक में मुख्य रूप से सांसद सुशील कुमार सिंह एवं विधान पार्षद दिलीप सिंह उपस्थित रहे।सांसद ने सभी लोगो से परिचय प्राप्त किया एवं संबोधन करते हुए कहा कि आप सभी के ऊपर पार्टी ने भरोषा जताते हुए

रोग की जड़ पर प्रहार

हर साल 10 अप्रैल को होम्योपैथी के जनक जर्मन मूल के महान चिकित्सक और उत्कृष्ट वैज्ञानिक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनीमैन की जयंती ह्यविश्व होम्योपैथी दिवसह्न मनाया जाता है। होम्योपैथी को संपूर्ण चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित करने का श्रेय डॉ. हैनीमैन को ही जाता है। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य चिकित्सा की इस अलग प्रणाली के बारे में लोगों में जागरुकता पैदा करने के साथ प्रत्येक व्यक्ति तक इसकी पहुंच की सफलता दर को आसानी से बेहतर बनाना है। 10 अप्रैल 1755 को जन्मे डॉ. हैनीमैन के पास एमडी की डिग्री थी पर उन्होंने बाद में अनुवादक के रूप में कार्य करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उसके बाद उन्होंने अंग्रेजी, फ्रांसीसी, इतालवी, ग्रीक, लैटिन इत्यादि कई भाषाओं में चिकित्सा, वैज्ञान की पाठ्य पुस्तकों का अध्ययन किया । इसके बाद होम्योपैथी के रूप में दुनिया के सामने नई चिकित्सा पद्धति को रखा। देश में प्रतिवर्ष केन्द्रीय आयुष मंत्रालय होम्योपैथी दिवस की थीम निर्धारित करता है और देशभर में यह विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर इस वर्ष डा. हैनीमैन की 268वीं जयंती मनाई जा रही है। इस दिवस के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित दुनियाभर में होम्योपैथी औषधियों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावकारिता को मजबूत करना, होम्योपैथी को आगे ले जाने की चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों को समझना, राष्ट्रीय नीतियों के विकास की रणनीति तैयार करना, अंतरपद्धति एवं अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग, उच्चस्तरीय गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा, प्रमाण आधारित चिकित्सा कार्य और विभिन्न देशों में होम्योपैथी को स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में समुचित स्थान दिलाकर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी मानना है कि वैकल्पिक और परम्परागत औषधियों को बढ़ावा दिए बगैर सार्वभौमिक स्वास्थ्य के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों में विश्व में होम्योपैथी का प्रमुख स्थान है। अपनी कुछ अलग ही विशेषताओं के कारण होम्योपैथी आज विश्वभर में 100 से भी अधिक देशों में अपनाई जा रही है। भारत तो होम्योपैथी के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश है। दरअसल होम्योपैथी दवाओं को विभिन्न संक्रमित और गैर संक्रमित बीमारियों के अलावा बच्चों और महिलाओं की बीमारियों में भी विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है। हालांकि होम्योपैथिक दवाओं के बारे में धारणा है कि इन दवाओं का असर रोगी पर धीरे-धीरे होता है लेकिन इस चिकित्सा प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यह रोगों को जड़ से दूर करती है और इन दवाओं के साइड इफैक्ट भी नहीं के बराबर होते हैं। होम्योपैथी दवाएं प्रत्येक व्यक्ति पर अलग तरीके से काम करती है और अलग-अलग व्यक्तियों पर इनका असर भी अलग ही होता है। होम्योपैथी चिकित्सकों की माने तो डायरिया, सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी बीमारियों में होम्योपैथी दवाएं एलोपैथी दवाओं की ही भांति तीव्रता से काम करती हैं लेकिन अस्थमा, गठिया, त्वचा रोगों इत्यादि को ठीक करने में ये दवाएं काफी समय तो लेती हैं मगर इन रोगों को जड़ से खत्म कर देती हैं।

लापरवाही न बरतें

देश में कोरोना वायरस का प्रभाव कम जरूर हो गया है, अपना जैसा व्यापक और खतरनाक रूप यह दिखा चुका है उस मुकाबले अभी स्थिति बहुत बेहतर है। यह बात भी सही है कि फिलहाल इसके उस रूप में वापसी के कोई आसार नहीं लगते। बावजूद इसके यह मानना सही नहीं है कि कोरोना समाप्त हो गया है या इसका खतरा पूरी तरह टल चुका है। सचाई यह है कि छोटे स्तर पर ही सही, मगर इस वायरस का खेल अभी भी चल ही रहा है। इसका नया वेरिएंट एक्सबीबी.1.16 है जिसने दूसरे वेरिएंट्स की जगह ले ली है और तेजी से फैल रहा है। हाल के दिनों में इसके प्रसार में आई तेजी के पीछे यही नया वेरिएंट है। गुरुवार को देश भर में 24 घंटे के अंदर 5,335 नए मामले दर्ज हुए, जो पिछले 195 दिनों में 24 घंटे की अवधि में दर्ज हुई सबसे ज्यादा संख्या है। इसके अगले दिन शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 6050 हो गई। जाहिर है, वायरस के प्रसार में आई इस तेजी की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि यह संख्या भी खतरनाक नहीं कही जा सकती। यह बात भी सही है कि वायरस का नया वेरिएंट वैसा मारक नहीं है। इससे संक्रमित होने के बाद सामान्य मरीज को बुखार होता है, जो धीरे-धीरे चढ़ता है, सिरदर्द, बेचैनी और गले में तकलीफ भी होती है, लेकिन एक-दो दिनों में ही यह ठीक भी हो जाता है। इससे मौत का अनुपात काफी कम है। लेकिन यह फैलता काफी तेजी से है। हल्लड ने भी इस पर नजर रखने की सलाह दी है। अब तक का अनुभव बताता है कि कोरोना वायरस न केवल रूप बदलता है बल्कि अपनी क्षमता में भी इजाफा कर सकता है। ऐसे में नहीं कहा जा सकता कि इसका जो रूप कम खतरनाक नजर आ रहा है, वही फैल जाने के बाद नए रूप में ज्यादा खतरनाक नहीं हो जाएगा। स्वाभाविक ही, केंद्र सरकार ने इस पर कड़ी नजर बनाए रखी है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में ताजा हालात के साथ संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की। कई राज्य सरकारों ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने को लेकर नए निर्देश भी जारी किए हैं। जहां तक आम लोगों की बात है तो फिलहाल किसी तरह की घबराहट की कोई बात नहीं है।

शिवराज जी, आपके वादे अच्छे हैं

विश्लेषण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा अपने चौथे कार्यकाल में की गई रिकार्ड दो हजार 383 घोषणाओं में से 48 प्रतिशत को आज पूरा किया जा चुका है । 1188 घोषणाएं ऐसी चिह्नित की गईं जिन पर अभी कार्य चल रहा है । जिन विभागों में लंबित घोषणाएं होने की बात कही जा रही है उनमें नौ विभाग मुख्य रूप से सामने आए हैं, नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण, स्कूल शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा और सामान्य प्रशासन। उस पर भी इन सभी में तेज गति लाने के लिए भाजपा सरकार अत्यधिक सक्रिय नजर आ रही है। लंबित घोषणाओं की समीक्षा कर विभागों को 30 अप्रैल तक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तय किया गया है कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई सभी योजनाओं को श्रेणीबद्ध तरीके से पूर्ण करना है। मॉनिटरिंग के लिए अफसरों का जिम्मा भी निश्चित कर दिया गया है। यह इसी भाजपा सरकार की हिम्मत है जिसने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की दीर्घकालीन योजनाओं पर विशेष फोकस किया गया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर अक्सर विपक्षी खासकर कांग्रेस उन्हें घोषणावीर कहकर उनका मजाक उड़ाने का प्रयास करती है। चुनाव आने के पूर्व कभी ऐसा नहीं हुआ कि कांग्रेस ने उनकी घोषणाओं को लेकर सड़कों पर बवाल न किया हो। किंतु जब आप शिवराज चौहान की घोषणा करने की नीयत को लेकर गहराई से पड़ताल करते हैं, तब यही निष्कर्ष निकलता है कि " न केवल मुख्यमंत्री शिवराज की घोषणाएं करने का अंदाज निराला है बल्कि ये वादे अच्छे हैं।"

आप विचार करें, आखिर मुख्यमंत्री की घोषणाओं को पूरा करने का कार्य किसका है? मुख्यमंत्री जो घोषणाएं करते हैं वे किसके लिए हैं ? स्वभाविक उत्तर होगा "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" किसी भी लोककल्याणकारी राज्य में राज्य की जनता का हित ही सर्वोपरि है। ऐसे में जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जब आरोप लगाते हैं कि शिवराज सिंह चौहान लगातार झूठी घोषणाएं कर रहे हैं, वे घोषणा और आश्वासन के नशे में हैं । इन दिनों प्रदेश में आश्वासन और घोषणाओं के मिशन पर वे निकले हुए हैं। तब अवश्य यह समीक्षा करने का विषय बन गया है ।

नियमानुसार जब मुख्यमंत्री कोई घोषणा करते हैं, उससे पहले संबंधित विभाग अपनी पूरी तैयारी करता है। वह मुख्यमंत्री को सही तथ्यों के अवगत कराता है और बताता है कि फलां कार्य किया जाना संभव है और फलां नहीं । फिर इन घोषणाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी भी विभागों की होती है। सरकार का कार्य है कि उसके लिए आवश्यक धन मुहैया कराए। बजट में योजना के अनुसार आर्थिक प्रावधान करे। यहां इस

संदर्भ में आज मध्य प्रदेश में सरकार के कार्यों और मुख्यमंत्री शिवराज द्वारा की गई घोषणाओं को रखकर देखें ।

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा अपने चौथे कार्यकाल में की गई रिकार्ड दो हजार 383 घोषणाओं में से 48 प्रतिशत को आज पूरा किया जा चुका है । 1188 घोषणाएं ऐसी चिह्नित की गईं जिन पर अभी कार्य चल रहा है । जिन विभागों में लंबित घोषणाएं होने की बात कही जा रही है उनमें नौ विभाग मुख्य रूप से सामने आए हैं, नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण, स्कूल शिक्षा, राजस्व, संस्कृति, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा और सामान्य प्रशासन। उस पर भी इन सभी में तेज गति लाने के लिए भाजपा सरकार अत्यधिक सक्रिय नजर आ रही है। लंबित घोषणाओं की समीक्षा कर विभागों को 30 अप्रैल तक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। तय किया गया है कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई सभी योजनाओं को श्रेणीबद्ध तरीके से पूर्ण करना है। मॉनिटरिंग के लिए अफसरों का जिम्मा भी निश्चित कर दिया गया है।

यह इसी भाजपा सरकार की हिम्मत है जिसने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की दीर्घकालीन योजनाओं पर विशेष फोकस किया गया । न केवल इनकी घोषणा करने में उन्होंने संकोच किया बल्कि इसके लिए आवश्यक संसाधन भी लगातार जुटाने का प्रयास जारी है। इसे आप हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने एवं छोटे शहरों का कायाकल्प स्मार्ट सिटी बनाने के रूप में देख सकते हैं। यह घोषणाओं का ही परिणाम है कि पिछले कुछ सालों में मध्य प्रदेश की स्थिति देश के अन्य राज्यों में खासकर बड़े राज्यों में लगातार सुदृढ़ हुई है। विचार किया जा सकता है कि यदि ये घोषणाएं हुई ही नहीं होती तो क्या यहां इतना कार्य जमीन पर साकार हो पाता?

मुख्यमंत्री शिवराज की घोषणाओं का यह तेज परिणाम ही है कि आर्थिक और वित्तीय दृष्टि से मध्य प्रदेश हर क्षेत्र में प्रगतिरत है। राजस्व संग्रहण और पूंजीगत व्यय में वृद्धि लगातार जारी है। प्रदेश की औद्योगिक विकास दर भी बढ़ी है। प्रदेश की आर्थिक वृद्धि दर अग्रिम अनुमान के अनुसार वर्ष 2022-23 में 16.43 प्रतिशत रही । इसके पहले 2021-22 में कोविड की परिस्थितियों के बावजूद यह वृद्धि दर 18.02 प्रतिशत थी। इसके ठीक पहले यदि पूर्व शासन के आंकड़ों को देखें तो वर्ष 2001-02 में यह मात्र 4.43 प्रतिशत थी। राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 13 लाख 22 हजार 821 करोड़ रुपये होने का अनुमान है जोकि पूर्व सरकार के दौरान 71 हजार 594 करोड़ रुपे. था। इस प्रकार सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में तब और अब में 18 गुना से अधिक की वृद्धि देखी जा सकती है।

आंकड़ों पर गौर करें; वर्ष 2022-23 में मध्य प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय एक लाख 40 हजार 583 रुपये होने का तथ्य सामने आया है। यह बहुत बड़ी सफलता है क्योंकि पूर्व की सरकार 2001-02 के समय में यह प्रति व्यक्ति आय सिर्फ 11 हजार 718 रुपये थी, जबकि आज 40 हजार को पार कर रही है। वह भी उस दौर में जब जनसंख्या का दबाव तेजी से राज्य पर बढ़ा है । आज राज्य का पूंजीगत व्यय 37 हजार 89 से बढ़ र 45 हजार 685 करोड़ रुपये हो गया जोकि वृद्धि 23.18 प्रतिशत है और राज्य के इतिहास में सर्वाधिक पूंजीगत व्यय है। इसी तरह से किसानों को ऋण में 13.41 प्रतिशत और एमएसएमई क्षेत्र में 30.22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, यह पूर्व स्थायी प्रदेश सरकार की तुलना में 16 % अधिक है। यानी कि पहले यह कृषि विकास दर सिर्फ तीन प्रतिशत थी, जो अब 19 प्रतिशत हो गई है। औद्योगिक विकास दर को देखें ; कभी पूर्ववर्ती सरकार में महज 0.61 प्रतिशत थी, अब बढ़ कर 24 प्रतिशत है। स्ट्रीट वेण्डर्स के कल्याण का कार्य भी प्रदेश में बखूबी किया जा रहा है । मध्य प्रदेश सवा पांच लाख शहरी इलाकों के लघु व्यवसायियों (स्ट्रीट वेण्डर्स) को 521 करोड़ से ज्यादा राशि का ऋण देकर देश में सबसे आगे है। सिंचाई क्षमता 585 प्रतिशत बढ़ी है, जोकि आज 45 लाख हेक्टेयर से अधिक है।

वस्तुतः इसी तरह से आप मध्य प्रदेश में हर क्षेत्र को तेजी से विकास करता पाएंगे। जिसे देखते हुए कहा जा सकता है कि यह विकास निश्चित ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं भाजपा सरकार के सतत आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के निर्माण के विजन के साथ किए गए कार्य का नतीजा है। इसलिए जो मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की घोषणा करने को बुरा मानते हैं, उनकी बातों पर हमें गौर नहीं करना, बल्कि यही कहना है कि शिवराज जी, आप आगे भी घोषणाएं करना जारी रखें, जितनी अधिक घोषणाएं होंगी, विभागों पर उन्हें पूरा करने का दबाव उतना ही अधिक और ऐसे में लोककल्याणकारी राज्य में जनता

गांधी से मोदी तक रेडियो का अभिनव प्रयोग

रेडियो अपने जन्म से विश्वसनीय रहा है। सुभाष बाबू का रेडियो आजाद हिन्द हो या आज का ऑल इंडिया रेडियो। प्रसारण की तमाम मयार्दा का पालन करते हुए जो शुचिता और सौम्यता रेडियो प्रसारण में है, वह और कहीं नहीं। मौजूं सवाल यह है कि रेडियो प्रसारण सेवा का आप कैसे उपयोग करते हैं? इस मामले में महात्मा गांधी से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो अभिनव प्रयोग किया है, वह अलहदा है। गांधीजी ने रेडियो को शक्तिशाली माध्यम कहकर संबोधित किया था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे चरितार्थ कर दिखाया। संचार के विभिन्न माध्यमों के साथ मोदीजी का दोस्ताना व्यवहार रहा है लेकिन रेडियो प्रसारण के साथ वे मन से जुड़ते हैं। मन से मन को जोड़ने का उपक्रम 'मन की बात' के सौ एपिसोड पूरे होने जा रहे हैं तो इसके प्रभाव को लेकर कुछ चर्चा किया जाना सामयिक है। कहने को सौ एपिसोड बहुत आसान सा लगता है लेकिन देखा जाए तो यह एक कठिन टास्क है जिसे मोदीजी जैसे व्यक्ति पूरा कर सकते थे और किया भी। 'मन की बात' शीर्षक को लेकर लोगों को लगने लगा कि वे अपने मन की बात कह रहे हैं लेकिन 'मन की बात' कार्यक्रम का कोई भी एपिसोड सुन लीजिये और विषयों की विविधता मिलेगी। एक तंत्र विकसित किया गया जो देश के अनजाने और दूरदराज इलाकों में अपने काम से कामयाबी हासिल करने वालों से प्रधानमंत्री सीधे बात करते हैं। उनके कार्यों के बारे में जानते हैं और अपनी आपसी चर्चा के बीच उस कामयाबी के रास्ते को समझने की कोशिश करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में देशभर से लाखों की तादाद में जुड़े श्रोताओं को न केवल नई जानकारी मिलती है बल्कि उन्हें भी कुछ नया करने का हौसला मिलता है। इसे ही मैंने मन से मन को जोड़ने वाला कार्यक्रम 'मन की बात' कहा है। शुरूआती दौर में रेडियो सामान्य दिनचर्या का एक हिस्सा था। देश और दुनिया से जोड़े रखने का भी यही एक माध्यम था। मोबाइल का दौर आया और रेडियो बाजार से गायब हो गए। हालांकि संचार की इस दौड़ में बने रहने के लिए रेडियो बन गए अब मोबाइल रेडियो। लेकिन वर्ष 2014 के बाद मोबाइल रेडियो में बड़ा बदलाव देखा गया जब 03 अक्टूबर, 2014 को ऑल इंडिया रेडियो पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू किया कार्यक्रम 'मन की बात'। कार्यक्रम की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अब कुल 98 एपिसोड प्रसारित किए जा चुके हैं। इस कार्यक्रम की शुरूआत करने का मकसद भारत में एक बार फिर लोगों का ध्यान रेडियो की ओर लाना तो था ही साथ ही जनता से रेडियो के जरिए संवाद कर जनता के मुद्दों पर बातचीत करना भी था। इसका असर यह हुआ कि जहां जनता पहले तक खास मौकों पर ही रेडियो सुना करती थी वही प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात के शुरू होने के बाद तक भी जनता इस कार्यक्रम से जुड़ी हुई है। 'मन की बात' में मोदी जी अपनी मन की बात कम करते हैं और लोगों के मन की बात ज्यादा सुनते हैं। 'मन की बात' कार्यक्रम सुनते हुए मुझे एक छोटी सी कहानी का स्मरण हो आता है। यहां इस कहानी का उल्लेख करना समीचीन होगा। बात यूं है कि एक बंद ताला पड़ा हुआ था और उसके पास एक छोटी सी चाबी और एक भारी-भरकम हथौड़ा भी। बंद ताले को खोलने के लिए हथौड़े ने अपनी पूरी ताकत लगा दी और परास्त होकर वहीं बैठ गया। इतने में छोटी सी चाबी बंद ताले के दिल में प्रवेश हुई और ताला खुल गया। भारी-भरकम हथौड़े के लिए यह रहस्य की बात थी। उसने चाबी से पूछा कि मैं इतना वजनदार होने के बाद भी ताला नहीं खोल पाया और तू इत्ती सी चाबी ताले को खोल दिया। यह कैसे हुआ? ताले की तरफ मुस्कराती हुई चाबी ने कहा कि किसी के दिल को खोलने के लिए उसके दिल में उतरना पड़ता है और वही मैंने किया। मोदी जी भी 'मन की बात' के जरिये चाबी की मानिंद लोगों के दिल में उतरकर उनके दिल तक पहुंच जाते हैं। भारत जैसे महादेश में अनेक ऐसे लोग हैं जो गुमनामी का जीवन जी रहे हैं लेकिन उनका काम, उनकी सफलता की कोई चर्चा नहीं होती है। ऐसे में कोई कारीगर, कोई किसान, कोई महिला जब प्रधानमंत्री से बात करती है तो उसकी कामयाबी न केवल सामने आती है बल्कि ये लोग और आगे बढ़ने का हौसला पाते हैं। हमारे भारतीय समाज में परीक्षा प्रतिभा मूल्यांकन के स्थान पर भय का वातावरण निर्मित करता है और बच्चे फेल होने के डर से कई बार जान देने तक उतारू हो जाते हैं। इन बच्चों के भीतर साहस जगाने के लिए और परीक्षा से भयभीत न होने का मंत्र मोदीजी देते हैं तो ज्यादातर बच्चों के भीतर का डर पूरी तरह भले ही खत्म न हो लेकिन कम तो जरूर हो जाता है। परीक्षा देने जाने से पहले हम उस अदृश्य शक्ति से पास हो जाने की कामना करते हैं क्योंकि हमारी पीठ पर हाथ रखकर हमें हौसला देने वाला कोई नहीं होता है। समाज के किसी भी तबके ने इस बड़ी समस्या पर कभी कोई पहल करने की जरूरत नहीं समझी, इसलिये परीक्षा का भूत हमेशा हावी रहा लेकिन 'मन की बात' के जरिये मोदीजी ने एक पालक की भूमिका का निर्वहन किया तो सारा का सारा मंजर ही बदल गया। 'मन की बात' के जरिये मोदीजी ने बड़ी ही खामोशी के साथ बाजार को बदल दिया। इसके लिए एक उदाहरण का उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। खादी हमारा राष्ट्रीय स्वाभिमान है लेकिन नए जमाने के साथ खादी का चलन कम से कम होता जा रहा था। ऐसे में मोदीजी ने 'मन की बात' के जरिये खादी अपनाने के लिए लोगों से आह्वान किया। यह यकिन करना मुश्किल होगा लेकिन सच है कि खादी की बिक्री में जो इजाफा हुआ, वह रिकार्ड है। अब यहां इस बात को दर्ज किया जाना चाहिए कि 'मन की बात' में मोदीजी के मन की बात है या भारत के एक सौ तीस करोड़ लोगों के मन की बात है। 'मन की बात' के जरिये ऑल इंडिया रेडियो का कायाकल्प हो गया।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

जैसा कि मैंने बांदीपुर और मुदुमलाई टाइगर रिजर्व की यादगार यात्रा समाप्त की है, मैं बाघ संरक्षण पर काम कर रहे सभी वन अधिकारियों, गार्डों, टाइगर रिजर्व फ्रंटलाइन कर्मचारियों और बाकी सभी की कड़ी मेहनत को स्वीकार करना चाहता हूं। शब्द उनके जुनून और प्रयास के साथ न्याय नहीं कर सकते।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

परिवारवादियों के घपले-घोटाले कीं जाँच नहीं होने देने के लिये हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो समेत चौदह दलों वाली फरियाद पर तो सुप्रीम कोर्ट ने कोई राहत नहीं दी। अब एक काम करिये हेमंत जी। झारखंड में आपके बहुमत की सरकार है। परिवारवादी सोरेन राज परिवार के बेहिसाब जमीन-जायदाद और घपले-घोटाले की जाँच नहीं हो। इसके लिये विधानसभा से बिल पास पास कर नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिये केन्द्र सरकार को भेज दीजिये। आपका पूरा टेंशन खत्म हो जायेगा ।फिर चैन से लूट-खसोट जारी रखियेगा।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

वीर राम सिंह पठानिया

अंग्रेजों की हड़प नीति के विरुद्ध अद्भुत साहस के प्रतीक वीर राम सिंह पठानिया ने अपने मुट्ठीभर साथियों के बल पर अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिला दी थी। किन्तु दुर्भाग्य से देशवासी इस महान राजपूत योद्धा के बारे में नहीं जानते। वीर राम सिंह पठानिया का जन्म 10 अप्रैल 1824 को हुआ था। वीर सिंह के पिता श्याम सिंह नूरपुर रियासत के राजा वीर सिंह के वजीर थे। 1806 में दिल्ली पर अधिकार करने के बाद अंग्रेजों ने उत्तर और मध्यभारत में अपने वर्चस्व का अभियान चलाया। उनका सबसे प्रमुख लक्ष्य पंजाब था। अंततः अंग्रेज सफल हुए और नौ मार्च 1846 में अंग्रेज-सिख संधि हुई। इसके चलते वर्तमान हिमाचल प्रदेश की अधिकांश रियासतें सीधे अंग्रेजों के आधीन हो गईं। नूरपुर के राजा वीर सिंह अपने दस वर्षीय बेटे राज कुमार जसवंत सिंह को नूरपुर की राजगद्दी का उत्तराधिकारी छोड़कर स्वर्ग सिधार गए। अंग्रेजों ने राजकुमार जसवंत सिंह की अल्पावस्था का बहाना लिया और मात्र पांच हजार रुपये वार्षिक देकर किनारे कर दिया और रियासत पर अधिकार कर लिया। यह घटना 1846 की ही है। इससे स्थानीय निवासियों में रोष उत्पन्न हो गया।

वीर राम सिंह पठानिया बाल्यकाल से ही ओजस्वी और पराक्रमी थे। अंग्रेजों के इस षड्यंत्र को वे बर्दाश्त नहीं हुआ और उन्होंने सशस्त्र संघर्ष की योजना बना ली। उन्होंन गुप्त रूप से नवयुवकों की सशस्त्र टोली तैयार कर ली और मोचार्बंदी आरंभ कर दी। तभी 1846 में जब दूसरा अंग्रेज-सिख युद्ध आरंभ हो गया। इस युद्ध में राम सिंह पठानिया ने अपने साथियों संग 14 अगस्त की रात्रि ममून कैंट लूटकर शाहपुरकंडी के दुर्ग पर धावा बोल दिया। अंग्रेजों को इस आक्रमण की कल्पना भी नहीं थी चूंकि इस टोली में सिख नहीं थे। इस अप्रत्याशित हमले से अंग्रेज घबराए और किला खाली कर भाग गये। वीर रामसिंह पठानिया ने 15 अगस्त 1846 की सुबह अपना केसरिया ध्वज यहां फहरा दिया और नूरपुर रियासत से अंग्रेजी हुकूमत को उखाड़ फेंकने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही राजकुमार जसवंत सिंह को रियासत का राजा तथा स्वयं को वजीर भी घोषित कर दिया।

इस घोषणा से आसपास के लोगों में उत्साह आया और सशस्त्र नौजवानों की मानों एक सेना तैयार हो गई। इनकी संख्या पाँच सौ हो गई। यह सब जसरोटा और नूरपुर क्षेत्र के थे। वीर रामसिंह ने इस टुकड़ी का नेतृत्व मंगल सिंह मिन्हास को सौंपा। एक ओर जहां वीर राम सिंह संघर्ष की तैयारी कर रहे थे वहीं अंग्रेज इनके दमन की रणनीति बना रहे थे। यह समाचार छुपा न रह सका कि इस क्षेत्र में पाँच सौ की सेना तैयार हो गई। क्राँतिकारियों की इस टोली में जहाँ जोश बहुत था किन्तु साधनों की कमी थी। अंग्रेजों ने इसी का लाभ उठाया। जालंधर के कमिश्नर हेनरी लारेंस तथा कांगड़ा के डिप्टी कमिश्नर वनिस फैजी कोई तीन हजार सैनिकों के साथ शाहपुरकंडी पहुंचे दुर्ग घेरा और बाहर से संपर्क तोड़ दिया। भीतर जाने वाली रसद सामग्री ही नहीं पानी की सप्लाई भी बंद कर दी। ये स्थिति कुछ दिन रही।

इस घेराबंदी में हुये युद्ध में अनेक क्राँतिकारी बलिदान हो गये। अंत में वीर राम सिंह पठानिया को खाद्य सामग्री के अभाव में दुर्ग को खाली करना पड़ा और शेष बचे अपने साथियों के साथ किले के गुप्त मार्ग से निकलकर माओफोर्ट के जंगलों में चले गए और गोरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई। अंग्रेजी सेना ने उनका बहुत पीछा किया, लेकिन वह अंग्रेजों को चकमा देते रहे। इसी बीच उन्हें सिख सेना से फौजी दस्ते व गोला-बारूद की सहायता मिली। तब वीर राम सिंह ने अन्य राजाओं व सिखों से मिलकर अंग्रेजी सेना पर हमले की योजना बनाई।

मुझे कुछ कहना है...

नई शिक्षा नीति लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि परिणाम भी उसी अनुरूप सामने आएंगे जैसी परिकल्पना की गई है। इससे इतर एक बात जो खटक रही है वह यह कि आम अभिभावक महसूस करते हैं कि बच्चों को पढ़ाना महंगा होता जा रहा है। झारखंड के संदर्भ में बात करें तो सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में विभेद साफ नजर आता है। सरकारी शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता उतनी अच्छी नहीं है जितनी होनी चाहिए। निजी शिक्षण संस्थानों खास तौर पर मिशनरी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना स्टेटस सिंबल माना जाता है। कमजोर आर्थिक स्थिति वाले भी यह सपना देखते हैं कि उनके बच्चे किसी नामी निजी स्कूल में पढ़ाई करें। दूसरी तरफ निजी स्कूलों में लगातार फीस बढ़ा रहे हैं। अभिभावकों की जेब ढीली हो रही है। इसके बावजूद तथाकथित बड़े और बुद्धिजीवी लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ाना चाहते। आखिर ऐसा क्यों है। आखिर कहां कमी रह जाती है। सरकार को इसपर विचार करना चाहिए। दिल्ली में सरकारी स्कूलों के साथ ऐसा नहीं है। इससे सीखने की जरूरत है। तभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों के बीच खाई पाटी जा सकेगी।

साधना कुमारी, डायरेक्टर स्टोरी लाइन इंडिया।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना - रातू, जिला - रांची, झारखंड, पिन - 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक - **फहीम अख्तर*** (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

तेजस्विन ने रजत जीता

एरिजोना ।

भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के एरिजोना में हुए टूर्नामेंट में डेकाथलन में रजत पदक जीत है। बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं की डेकाथलन में कुल मिलाकर 7,648 अंक हासिल किये। इस दौरान वह भारतिंदर सिंह के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 7,658 से 10 अंक पीछे रह गये। तेजस्विन ने 10 स्पर्धाओं की डेकाथलन में कुल मिलाकर 7,648 अंक बटोरे हैं। इससे पहले भारतिंदर ने साल 2011 में 7,658 अंक हासिल किये थे। वहीं नेब्रास्का के टिल स्टेनफोर्थ 7845 अंक लेकर पहले स्थान पर आये हैं। तेजस्विन ऊंची कूद के खिलाड़ी हैं पर अब वह डेकाथलन में भी भाग लेने लगे हैं।

टीम अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी : रोहित

मुंबई । (एजेंसी)

मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम अच्छी शुरुआत का लाभ उठाने में विफल रही। रोहित के अनुसार टीम के अनुभवी खिलाड़ियों को स्वयं आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि टीम इस सत्र में सफलता हासिल करने के इरादे से उतरी थी। उन्होंने कहा कि जीत के लिए हमें निडर होकर आक्रामक रुख अपनाते हुए बल्लेबाजी करनी होगी। अभी भी हमारे हाथ में काफी कुछ है , हमें कुछ अच्छी जीत हासिल कर लय में आना है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ इस मैच में रोहित ने इशान किशन के साथ अच्छी शुरुआत की थी पर टीम उसका लाभ उठाने में विफल रही। टीम के अनुभवी बल्लेबाज सीएसके के स्पिनर रवींद्र जडेजा का सामना नहीं कर पाये। मुंबई इंडियंस को इस प्राकर इस 16 वें सत्र में लगातारी दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। रोहित ने कहा, अनुभव खिलाड़ियों को आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेनी होगी। हम आईपीएल के तरीके को जानते हैं, जब टूर्नामेंट शुरू होता है तो हमें कुछ तेजी हासिल करने की जरुरत होती है और जब आप ऐसा नहीं करते हैं तो जीत हासिल करना कठिन हो जाता है। अगर आप जीतते हैं तो मनोबल बढ़ा है वहीं जब आप हारते हैं तो उस हालात से बाहर आना कठिन हो जाता है। इस मैच में रोहित ने इशान के साथ पहले छह ओवरों में 61 रन बना दिये थे। इससे बाद टीम तेजी से रन नहीं बना पायी। उन्होंने, हमने बीच में अपना रास्ता खो दिया, हमें मिली शुरुआत को

भुनाने में नाकाम रहे। यह एक अच्छी पिच थी, 30-40 रन कम थे क्योंकि बीच के ओवरों का हम लाभ नहीं उठा पाये। इस मामले में सीएसके के स्पिनरों की भी प्रशंसा करनी होगी जिन्होंने हमारे बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। उन्होंने कहा, आपको जीत के लिए अलग-अलग प्रयोग करने होंगेहै, आपको आक्रमण करने और बहादुर बनने की जरूरत है। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं और उन्हें कुछ समय देना है। उनके पास असली प्रतिभा है और हमें उनका समर्थन करना होगा और उनकी क्षमता पर भरोसा दिखाना होगा जो हम कर रहे हैं। रोहित ने कहा कि विरोध टीम को दबाव में लाने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

रैना ने रहाणे की तूफानी पारी पर कहा..

यह पीली जर्सी की ताकत है

मुम्बई, (एजेंसी)

अजिंक्य रहाणे (61 रन) और रवींद्र जडेजा (3/20) के शानदार प्रयासों से चेन्नई सुपर किंग्स ने मुम्बई इंडियंस को आईपीएल मुकाबले में शनिवार रात सात विकेट से हरा दिया। जीत के लिए 158 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई ने 11 गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। अनुभवी रहाणे, जिन्होंने कई आईपीएल टीमों का प्रतिनिधित्व किया है, ने अपना अर्धशतक मात्र 19 गेंदों में पूरा कर इस सत्र का सबसे तेज अर्धशतक बना डाला। इन फॉर्म बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड ने 36 गेंदों पर नाबाद 40 रन बनाये। चेन्नई की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है जबकि लगातार हार का सामना करने वाली मुम्बई को अभी अपना खाता खोलना है। आईपीएल के डिजिटल आधिकारिक प्रसारक जियो सिनेमा से रहाणे ने कहा, यह सब कुछ इस बात पर आता है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं और आप खेलने के लिए कितने भूखे हैं। मैं हमेशा खेलने का लक्ष्य रखता हूं और टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं। जब मुझे पता चला कि चेन्नई ने मेरे लिए बोली लगाई है तो मैं खुश हुआ। मैंने चेन्नई के ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में काफी कुछ सुना था। लेकिन जब मैं यहां आया तो मैंने इसे महसूस किया। यह वाकई एक शानदार माहौल है। इससे खिलाड़ी को सहज होने में मदद मिलती है। माही भाई (एमएस धोनी) हर खिलाड़ी को खेलने की आजादी देते हैं। रहाणे की बल्लेबाजी के बारे में जियोसिनेमा के आईपीएल विषेशज्ञ सुरेश रैना ने कहा, यह पीली जर्सी की ताकत है। जैसा हम पारी के दौरान बात कर रहे थे कि रहाणे और ऋतुराज दोनों मुम्बई और महाराष्ट्र से हैं और इन पिचों को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने इस मौके का बढ़िया इस्तेमाल किया। यह माही भाई के लिए दिलचस्प सिरदर्द बनने वाला है जब मोईन अली टीम में लौटेंगे। इस बीच पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा कि किसी को भी रहाणे से इस आईपीएल का सबसे तेज अर्धशतक बनाने की उम्मीद नहीं थी। पटेल ने पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल में रहाणे के संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा, पारी के दौरान यह कभी नहीं लगा कि रहाणे जोखिम ले रहे हैं। वह हमेशा नियंत्रण में दिखे। वह

अपनी इस पारी से खुश होंगे क्योंकि उन पर ठप्पा लगा है कि वह टी20 में बल्लेबाजी नहीं कर सकते। पिछले दो वर्षों में एक बार वह बिके नहीं और एक बार दिल्ली ने उन्हें रिलीज कर दिया। इसे देखते हुए वह अपने प्रदर्शन से रोमांचित होंगे।

धोनी ने अपने स्पिनरों का बेहतर इस्तेमाल किया: शास्त्री

मुंबई । (एजेंसी)

पूर्व क्रिकेटर रवि शास्त्री ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में बेहतर तरीके से पिच को समझते हुए अपने स्पिनरों रविन्द्र जडेजा और मिचेल सैंटनर का अच्छा इस्तेमाल किया। शास्त्री ने कहा, 'धोनी ने मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजों के खिलाफ जडेजा और सैंटनर को इसलिए गेंदबाजी दी क्योंकि उन्हें मालूम हो गया था कि इस पिच पर ये दोनो ही मैच में अंतर पैदा कर सकते हैं। इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया और मेज़बान टीम ने वानखेड़े स्टेडियम पर अपना पहला मैच खेलते हुए अच्छी की। मुंबई ने रोहित शर्मा का विकेट खोने के बाद भी पावरप्ले में 61 रन बनाये। ऐसे में धोनी ने रन गति पर अंकुश लगाने स्पिनरों को लगाया और उनका ये प्रयोग सफल रहा। जडेजा और सैंटनर की जोड़ी ने आठ ओवर में 48 रन देकर कुल पांच विकेट लेकर मुम्बई की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा, अपने कप्तान की तरह जडेजा भी बिल्कुल निडर हैं। उन्होंने कैमरन ग्रीन के असंभव से नजर आने वाले कैच को पकड़कर भी मैच में अपनी टीम की पकड़ बेहतर की। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह भी गावस्कर से सहमत नजर आये उन्होंने कहा, जडेजा सही मायने में विजेता है। वह गेंद या बल्ले से कभी भी मैच को पहला हैं। वहीं हरभजन ने इस मैच में तेजी से अर्धशतक लगाने वाले आजिंक्य रहाणे की भी तारीफ करते हुए कहा कि इसके लिए वह हमेशा याद रखे जायेंगे।

दिल्ली को आत्ममंथन करने की जरूरत : रिकी पोंटिंग

गुवाहाटी, (एजेंसी)

दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच रिकी पोंटिंग ने स्वीकार किया है कि आईपीएल 2023 में लगातार तीसरी हार झेलने के बाद दिल्ली की टीम को आत्ममंथन करने की जरूरत है। दिल्ली को यहां अपने तीसरे मैच में राजस्थान रॉयल्स के हाथों शनिवार को 57 रन से हार का सामना करना पड़ा। मैच में राजस्थान ने चार विकेट पर 199 रन का मजबूत स्कोर बनाया जबकि दिल्ली 20 ओवर में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सकी।पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें अभी लम्बा सफर तय करना है। मैं किसी पर उंगली नहीं उठा सकता क्योंकि मैंने इन लड़कों को ट्रेनिंग और तैयारी करते देखा था। उनकी मेहनत अच्छी थी, ट्रेनिंग बढ़िया थी लेकिन यह सब कुछ मैदान पर परिणाम के रूप में नहीं दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, हमें एक समूह के रूप में आत्ममंथन करना होगा। मैं खिलाड़ियों को इस बारे में सोचने के लिए छोड़ता हूं।

हम इसका अगले दिन हल निकाल सकते हैं लेकिन हमें इसे जल्दी करना होगा। तीन मैच हो चुके हैं और कोई जीत नहीं। आप इससे ज्यादा खराब शुरूआत की उम्मीद नहीं कर सकते।शनिवार के मैच में पहले ओवर ने ही दिल्ली और राजस्थान के बीच सारा अंतर पैदा कर दिया था। यशस्वी जायसवाल ने खलील अहमद के ओवर में पांच चौके जड़े। ट्रेंट

बोल्ट ने दिल्ली की पारी की पहली दो गेंदों पर पृथ्वी शॉ और मनीष पांडेय को पवेलियन की राह दिखा दी थी। पोंटिंग ने कहा, पहले दो मैचों में हम शुरूआत में बिना कोई विकेट खोये 40 रन तक पहुंच गए थे लेकिन पॉवरप्ले के बाद हमने विकेट गंवाए। यहां स्थिति बिलकुल अलग थी। हम पहले ओवर में ही दो विकेट गंवा बैठे और उसके बाद मुकाबले में नहीं लौट पाए।दिल्ली का अगला मुकाबला मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में मुम्बई इंडियंस से होगा जिसमें डेविड वार्नर एंड कंपनी के पास वापसी करने का मौका रहेगा। दिल्ली की गेंदबाजी में भी मारक क्षमता की कमी दिखाई दे रही है। पोंटिंग ने कहा, आप पहले दो ओवर देखें। उन्होंने आठ चौकों की मदद से 32 रन बना लिए थे।

23 साल के शुभमन गिल ने रच डाला इतिहास, तोड़ा संजू सैमसन का अनोखा रिकॉर्ड

(एजेंसी)

गुजरात टाइटंस के ओपनिंग बल्लेबाज शुभमन गिल ने रविवार (9 अप्रैल) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें मुकाबले में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गिल ने 31 गेंदों का सामना करते हुए 39 रन बनाए, जिसमें उन्होंने पांच चौके जड़े। इस पारी के दौरान गिल ने आईपीएल में अपने 2000 रन भी पूरे कर लिए। गिल आईपीएल के इतिहास में सबसे कम उम्र में 2000 रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। गिल 23 साल 214 की उम्र में इस आंकड़े तक पहुंचे हैं। गिल ने संजू सैमसन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 24 साल 140 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। ऋषभ पंत (23 साल 27 दिन) इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं।

पारियों के हिसाब से गिल सबसे तेज 2000 आईपीएल रन के मामले में संयुक्त रूप से आठवें नंबर पर पहुंचे हैं, इसके लिए उन्होंने 74 पारियां खेली। शिखर धवन ने भी 74 पारियों में अपने 2000 आईपीएल रन पूरे किए थे। इसके अलावा गिल ने आईपीएल में अपने 2000 चौके भी पूरे कर लिए हैं। बता दें कि इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। गुजरात ने निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 204 रन बनाए। यह पहली बार है जब आईपीएल में गुजरात ने 200 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। गुजरात के लिए साईं सुदर्शन ने लगातार दूसरा अर्धशतक जड़ते हुए 28 गेंदों में 53 रन बनाए। वहीं पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विजय शंकर ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। शंकर ने पारी के आखिरी दो ओवरों में 41 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

बोल्ट ने हमारे हाथ से छीना मैच : वॉर्नर

सैमसन ने अपनी टीम के स्पिनरों को सराहा

गुवाहाटी । दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी टीम की लगातार तीसरी हार पर निराशा जतायी है। वॉर्नर के अनुसार राजस्थान के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के पहले ओवर में ही दो विकेट लेने से मैच हमारे हाथ से फिसल गया। बोल्ट ने इस मैच में 39 रन देकर तीन विकेट लिए। इस तेज गेंदबाज ने सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और मनीष पांडे के विकेट लेकर दिल्ली के बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ा दिया जिसे वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान बिखर गयी। कैपिटल्स की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 142 रन ही बना सकी। वॉर्नर ने कहा, '' बोल्ट ने पावरप्ले के दौरान शानदार गेंदबाजी करते हुए हमारे बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। ऐसे में 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गंवा देना नुकसानदेह था। वॉर्नर ने इस मैच में 65 रन बनाये पर वह आक्रमक होकर विरोधी टीम पर दबाव नहीं बना पाये। वहीं राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने अपनी टीम के स्पिनरों युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह बल्लेबाजों के अनुसार गेंदबाजी करते हैं। रॉयल्स को इस मैच में जीत मिली पर मिली पर टीम के कप्तान संजू सैमसन इस बार भी रन नहीं बना पाये। अपनी खराब बल्लेबाजी से निराश सैमसन के अनुसार वह पिच पर जमने के लिए कुछ समय अवश्य लेते हैं।

बटलर से सीखने को मिला : यशस्वी

गुवाहाटी । राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि उन्हें आईपीएल में खेलने के दौरान ही टीम के साथी बल्लेबाज जोस बटलर से काफी कुछ सीखने को मिला है। यशस्वी ने दिल्ली के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों में 60 रन बनाये थे। उनकी इस पारी की सहायता से ही टीम कैपिटल्स के खिलाफ मैच में जीत दर्ज करने में सफल रही थी। यशस्वी ने कहा, मैंने कड़ी मेहनत की है। मैं अपने को अभिव्यक्त करने का भी प्रयास कर रहा हूं। सीखना मेरे लिए अहम है। मेरे लिए एक युवा खिलाड़ी के रूप में आगे बढ़ना भी काफी जरुरी है। मेरा प्रयास था कि हर कमजोर गेंद का लाभ उठाया जाये। मुझे लगता है कि मैंने बटलर से बहुत कुछ सीखा है। मैं यह देखने का प्रयास करता हूं कि वह कैसे अभ्यास करते हैं। मुझे पता था कि मैं कुछ गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बना सकता हूं। इस मैच में सलामी बल्लेबाज यशस्वी और बटलर के की अर्धशतकीय पारी के बाद ट्रेंट बोल्ट ने शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत तय कर दी। बोल्ट ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए। इस प्रकार मैच में राजस्थान ने दिल्ली को 57 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी ने बटलर के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए तेज से 51 गेंद में 98 रन जोड़े। इसी कारण राजस्थान की टीम चार विकेट पर 199 रनों का अच्छा खासा स्कोर बनाने में सफल रही।

वार्नर तेजी से रन बनाना यशस्वी से सीखें या आईपीएल छोड़ दें : सहवाग

गुवाहाटी । टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान डेविड वार्नर की आलोचना करते हुए कहा है कि अगर वह तेजी से बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं तो उन्हें आईपीएल खेलना छोड़ देना चाहिये। कैपिटल्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए वार्नर 65 ने ललित यादव के साथ 64 रन की साझेदारी बनाने के दौरान अर्धशतक भी लगाया पर इसके बाद भी उनकी टीम हार गयी। सहवाग ने कहा कि वार्पर ने बेहतद धीमी बल्लेबाजी की। उन्हे राजस्थान के युवा यशस्व जायसवाल की तरह खेलना चाहिये था। सहवाग ने कहा, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम उसे बताएं जिससे वार्नर को झटका लगे। साथ ही कहा कि वार्डर अगर तुम सुन रहे हो, तो अच्छा खेलो। 25 गेंदों में 50 रन बनाने यशुस्वी से सीखो, उन्होंने 25 गेंदों में चौके लगाए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो आईपीएल में मत खेलो। सहवाग ने साथ ही कहा , वहीं अगर वार्नर 55-60 रन बनाने की जगह तेजी से 30 रन पर भी आउट हो जाते तो भी टीम के अच्छा होता। ऐसे में रोवमैन पॉवेल और इशान पोरेल जैसे खिलाड़ी जल्दी बल्लेबाजी के लिए आ सकते थे। इनके आने से काफी कुछ हो सकता था। वार्नर के कारण बड़े शॉट लगाने वालों के लिए गेंदें ही नहीं बचीं थीं। कैपिटल्स को आईपीएल के इस सत्र में अगर अब भी आगे कीं संभावनाएं बनाये रखनी हैं तो उसे आने वाले सभी मैच जीतने होंगे।

स्पेनिश फुटबॉल लीग : विलारीयाल ने मैड्रिड को हराया

बार्सीलोना ।

सैमुअल चुक्वेज के दो गोलों की सहायता से विलारीयाल ने स्पेनिश फुटबॉल लीग में हुए एक रोमांचक मुकाबले में रीयाल मैड्रिड को 3-2 से हरा दिया। इस मैच में पॉल टोरेस के आत्मघाती गोल की बदौलत मैड्रिड को खेल की शुरुआत में ही एक गोल की बढ़त मिल गयी थी पर इसके बाद सैमुअल ने 39वें मिनट में एक गोल दागकर विलारीयाल को बराबरी पर ला दिया। हाफटाइम के बाद विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर मैड्रिड को फिर 2- 1 से बढ़त दिला दी। जोस मोरालेस ने इसके बाद सैमुअल के पास पर गोलकर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सैमुअल ने 80वें मिनट में एक और गोल कर विलारीयाल को 3-2 से बढ़त के साथ ही जीत दिला दी। की।

आईपीएल में चार-पांच मैचों से बाहर हो सकते हैं चाहर : रैना

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में चोटिल होने के कारण हुए ऑलराउंडर दीपक चाहर केवल एक ही ओवर कर पाये थे। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसी को लेकर अब सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का बयान आया है। रैना के अनुसार चाहर इस सत्र में कम से कम चार से पांच मैचों से बाहर हो सकते हैं। रैना ने कहा, ऐसा लगता है कि चाहर 4 से 5 गेम के लिए बाहर हो जाएंगे। ऐसा लगता है कि उन्हें फिर से हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई है और वे मैदान में असहज दिखे। रैना ने कमेंट्री के दौरान कहा, आईपीएल के अन्य सभी स्थल चेन्नई से बहुत दूर हैं और इसमें बहुत सारी यात्राएं शामिल रहेंगी। वहीं 27 साल के तुषार देशपांडे के लिए आईपीएल में अब तक का सत्र मिलाजुला रहा है। गुजरात के खिलाफ मैच में उन्होंने काफी रन दिये। धोनी ने कहा था, हम उस पर विश्वास करते हैं और जब आप नए होते हैं तो आप दबाव में होते हैं लेकिन कुछ साल के लिए आईपीएल में खेलना अलग तरह का दबाव लाता है। उनका घरेलू सीजन अच्छा रहा, उन्होंने सुधार किया है वर वह अभी भी अपनी पूरी क्षमता है से नहीं खेल पा रहे हैं।

पति और पिता का सरनेम लगाने की मिलती है सलाह

मिनी ने कहा कि उनके मुताबिक महिलाओं को शादी के बाद भी अपना मूल नाम ही रखना चाहिए। मिनी ने कहा, जब मैं पासपोर्ट ऑफिस जाती हूं तो वहां मौजूद कर्मचारी कहते हैं कि आपका नाम मिनी सुरेश माथुर होना चाहिए या फिर मिनी कबीर खान होना चाहिए। कर्मचारियों का मानना है कि पति और पिता के नाम के बिना आपका कोई वजूद नहीं है। मैंने इसके लिए बहुत लड़ाई लड़ी है। यहां तक कि स्कूल फॉर्म में भी मैंने अपने पिता का नाम नहीं रखा है। मुझे तो यहां तक लगता है कि किसी भी फॉर्म पर रिलीजन का कॉलम भी क्यों होता है। अभी कुछ दिन पहले बात करते हुए कबीर ने कहा, जब मैंने शादी करने की सोची तो मुझे लगा कि मिनी के घरवाले इतनी आसानी से नहीं मानेंगे। मिनी एक ट्रेडिशनल माधुर फैमिली से आती थीं, बावजूद इसके उन्होंने हमारे रिलेशनशिप को और मुझे आराम से स्वीकार कर लिया। हमने दोनों रस्मों से शादी की। मैं एक नास्तिक हूं, ईश्वर में मेरा विश्वास नहीं है शायद इसलिए मेरे लिए ये सब स्वीकार करना काफी आसान है। हम दोनों के बीच काफी झगड़े हुए, काफी विवाद हुए लेकिन धर्म उनमें से कभी एक वजह नहीं रहा।

61 देशों में टॉप 10 ट्रेंडिंग फिल्मों में शामिल हुई यामी की चोर निकल के भागा

हाल ही में अभिनेत्री यामी गौतम अपने पति निर्देशक आदित्य धर के साथ महादेव का रुद्राभिषेक करते हुए तस्वीरों को लेकर चर्चाओं में आई थी। शादी के बाद से यामी अपने पति के साथ पारम्परिक परिवेश में मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए जाती रहती हैं। वे देवी माँ और भगवान शिव शंकर की भक्त हैं।

अभी सोशल मीडिया पर उनकी इन तस्वीरों की चर्चा समाप्त भी नहीं हुई थी कि यामी गौतम एक बार फिर से चर्चाओं में हैं। इस बार चर्चा उनकी फिल्म चोर निकल के भागा को लेकर हो रही है जो बीती 24 मार्च को ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई थी। पिछले दो वर्षों से यामी गौतम अभिनीत सभी फिल्मों का एक-एक करके ओटीटी प्लेटफार्म पर आना जारी है। हाल ही में नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई उनकी फिल्म चोर निकल के भागा ने ओटीटी प्लेटफार्म पर एक रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफलता प्राप्त कर ली है। यह फिल्म बीती 24 मार्च को ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ सनी कौशल नजर आए थे। दर्शकों को यह फिल्म इतनी पसन्द आई है कि इसने कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। चोर निकल के भागा 61 देशों में टॉप 10 ट्रेंडिंग फिल्मों में शामिल हो गई है। इस फिल्म ने ऑस्कर विजेता आरआरआर को भी पीछे छोड़ दिया है। दो सप्ताह के भीतर नेटफ्लिक्स पर यह सबसे ज्यादा देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन गई है, जिसकी व्यूअरशिप 2 करोड़ 90 लाख घंटे है। साथ ही यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर वैश्विक स्तर पर दूसरे नम्बर पर आ गई है। व्यूअरशिप के मामले में टॉप तीन की बात करें तो पहले नम्बर पर चोर निकल के भागा है। वहीं दूसरे नम्बर पर आरआरआर 2 करोड़ 55 लाख और तीसरे नम्बर पर आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी 2 करोड़ 21 लाख व्यूअरशिप घंटों के साथ है।

अमिताभ के साथ फिल्म सेक्शन 84 में नजर आएंगी निम्रत कौर

फिल्म निर्माता रिभु दासगुप्ता की अपकमिंग कोर्टरूम ड्रामा फिल्म सेक्शन 84 अपनी घोषणा के वक्त से ही सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन लीड रोल में नजर आने वाले हैं। बीते दिनों इस फिल्म में एक्ट्रेस डायना पेंटी की एंट्री हुई थी। वहीं अब इस फिल्म से एक्ट्रेस निम्रत कौर का नाम भी जुड़ गया है। निम्रत कौर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर निर्देशक रिभु दासगुप्ता के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ एक्ट्रेस ने लिखा, मुंबई सिर्फ सपनों का शहर नहीं है, यह वो शहर है, जहां सपने साकार होते हैं। एक्शन और कट के बीच अमिताभ बच्चन के साथ सेक्शन 84 में अमर हो जाना। उन्होंने लिखा, एक छोटे शहर से बड़े सपने लेकर आयी लड़की के लिए मुंबई का तोहफा है। रिभु दासगुप्ता की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह मौका दिया। यह मेरे जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण क्रिएटिव एडवेंचर होगा। अब रातों की नींद उड़ने वाली है। कोर्ट रूम ड्रामा थ्रिलर सेक्शन 84 रिभु दासगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित है। इसमें निम्रत कौर और अमिताभ बच्चन के अलावा डायना पेंटी और अभिषेक बनर्जी जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं। निम्रत इससे पहले अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म दसवीं में नजर आई थीं।

4 गुना तक बढ़ी फीस

पुष्पा के बाद हाईएस्ट पेड एक्टर बने अल्लू अर्जुन

पुष्पा राज मैं झुकेगा नहीं साला। इस डायलॉग और फिल्म से पैन इंडिया स्टार का खिताब जीतने वाले अल्लू अर्जुन का आज 41वां बर्थ-डे है। फिल्मी परिवार में जन्मे वो सुपरस्टार राम चरण के कजिन हैं। बचपन से ही फिल्मी माहौल में रहे अल्लू 3 साल की उम्र में ही बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट फिल्मों में आ गए थे। लैविश लाइफ की वजह से भी वो सुर्खियों में बने रहते हैं। 360 करोड़ की संपत्ति के मालिक अल्लू के पास 7 करोड़ की वैनिटी वैन है। वो परिवार के साथ 100 करोड़ के आलीशान घर में रहते हैं। 2021 में रिलीज हुई फिल्म पुष्पा का सीक्वल पुष्पा 2 इस साल रिलीज होने वाली है। इसके लिए अल्लू ने 125 करोड़ रुपए फीस चार्ज की है। इस फीस के बाद अल्लू पूरी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर बन गए हैं। पहले पार्ट के लिए उन्होंने 40 करोड़ फीस ली थी।

वॉर-2 से पहले टाइगर-3 में दिखायी देंगे जूनियर एनटीआर!

यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स के तहत निर्माता आदित्य चोपड़ा ने हाल ही में वॉर-2 और टाइगर बनाम पठान नामक फिल्में बनाने की घोषणा की है। इन दोनों फिल्मों के निर्देशन की जिम्मेदारी अयान मुखर्जी और सिद्धार्थ मल्होत्रा को दी गई है। स्पाई यूनिवर्स के तहत अब तक दर्शकों को एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर और पठान नामक फिल्में देखने को मिली हैं। वॉर-2 और टाइगर बनाम पठान की घोषणा के साथ ही यह भी बताया गया कि वॉर-2 में ऋतिक रोशन के सामने दक्षिण की नामचीन सितारे जूनियर एनटीआर मुकाबला करते नजर आएंगे। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में जूनियर एनटीआर भारतीय जासूस की भूमिका में नजर आएंगे लेकिन वे पठान के जॉन अब्राहम की तरह खलनायक के रूप में दिखाई देंगे, जो ऋतिक रोशन से मुकाबला करते दिखाई देगा। जूनियर एनटीआर को सीधे वॉर फ्रेंचाइजी में लाने के बजाय, यह सुनने में आ रहा है कि यश राज फिल्म ने उन्हें प्रोडक्शन हाउस के स्पाईवर्स में शामिल करने की योजना बनाई है। सबसे पहले, वे एनटीआर को फिल्म टाइगर 3 में एक नए जासूस के रूप में लॉन्च करना चाहते हैं, जो टाइगर श्रृंखला की तीसरी किस्त है जिसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में हैं। मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में एक शानदार क्लाइमेक्स फाइट सीक्वेंस होगा, जहां जूनियर एनटीआर को भारत के जासूस गिरोह में एक नई भर्ती के रूप में जासूसों के प्रेमियों से मिलवाया जाएगा। पठान फिल्म में पठान और टाइगर को देखकर दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए थे, यहां तक कि सलमान और जूनियर एनटीआर की मौजूदगी भी टाइगर 3 के साथ भी ऐसा ही हंगामा कर सकती है। हालांकि, वॉर 2 असली बड़ी फिल्म होगी जहां जूनियर एनटीआर एक हिंदी फिल्म में पूरी लंबाई की भूमिका निभाएंगे। यह उनके लिए हिंदी में एक शानदार शुरुआत होगी, जबकि उनके पास कोराताला शिवा और प्रशांत नील के साथ एक-एक फिल्म है।

शाहरुख ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने फिल्म पठान के जरिए बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की है। वहीं अब शाहरुख खान ने एक बहुत बहुड उपलब्धि हासिल की है। शाहरुख खान ने टाइम मैगजीन की वार्षिक टाइम 100 सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। टाइम मैगजीन की यह लिस्ट पाठकों द्वारा किए गए वोट के आधार पर यह सूची तैयार की जाती है। अमेरिकी प्रकाशन के अनुसार, इस साल 12 लाख से अधिक लोगों ने वोट किया, जिसमें से चार प्रतिशत मत शाहरुख खान को मिले। शाहरुख खान की जनवरी में रिलीज हुई फिल्म पठान ने देश और विदेश में 1000 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई की थी, जिसे बड़े पर्दे पर उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। इस सूची में तीन प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर ईरान की वे महिलाएं हैं, जो इस्लाम शासित देश में अपनी आजादी के लिए आवाज उठा रही हैं। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्कल 1.9 प्रतिशत वोट के साथ क्रमशः तीसरे तथा चौथे स्थान पर हैं। अर्जेंटीना को पिछले साल कतर में फुटबॉल विश्व कप में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले फुटबॉलर मेसी 1.8 प्रतिशत वोट के साथ सूची में पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्कर विजेता मिशेल योह, पूर्व टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स, मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा भी सूची में जगह बनाने में कामयाब रहे। शाहरुख खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो पठान की सक्सेस के बाद अब वह एटली कुमार की फिल्म जवान में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा उनके पास राजकुमार हिरानी की डंकी भी है। वहीं शाहरुख यशराज फिल्म्स की एक और स्पाई थ्रिलर फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में सलमान खान के साथ भी नजर आएंगे।

पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित हुईं रवीना टंडन

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन को सिनेमा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रवीना टंडन को राष्ट्रपति द्रौपति मुर्मू ने पद्म श्री अवॉर्ड से नवाजा। इस इवेंट में शामिल होने केलिए रवीना टंडन अपने पूरे परिवार के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंची थीं। रवीना टंडन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रवीना को पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित करती नजर आ रही हैं। इस मौके पर रवीना मेटालिक गोल्ड कलर की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। वहीं रवीना ने पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित होने के बाद अपने परिवार के साथ कुछ तस्वीरें भी शेयर की है। तस्वीरों में एक्ट्रेस अपने पति अनिल थडानी, बेटी राशा और बेटे के साथ नजर आ रही हैं। रवीना की बेटी ब्लैक कलर की चोली और ब्लैक एंड व्हाइट लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। बता दें कि रवीना टंडन पिछले तीन दशक से फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। वह अब तक 100 से ज्यादा फिल्मों काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वह सामाजिक कामों में भी एक्टिव हैं। रवीना बच्चों के अधिकार, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दों में सक्रिय रूप से रहती हैं।